



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

11/9/86

सं. 32] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 9, 1986 (श्रावण 18, 1908)

No. 32] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 9, 1986 (SRAVANA 18, 1908)

इस भाग में मिशन बृष्ट संहिता दी जाती है जिससे कि यह अलग संचयन के कार में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation).

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेलविभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली—110011, दिनांक 17 जून 1986

सं. ए० 31014/1/86—प्रशा० १—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अस्थायी वैयक्तिक सहायकों (के० स० श्रा० से० का ग्रेड “ख”) को, जो संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में निम्नलिखित पदों पर हैं, उनके नामों के सामने दर्शाइ गई तारीख से संघ लोक सेवा आयोग में मूल रूप से वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० श्रा० के० का ग्रेड ख) के ग्रेड में नियुक्त करते हैं :—

क्रमांक	अधिकारी का नाम	वर्तमान वर्तमान	पुष्टिकारण की तारीख
---------	----------------	-----------------	---------------------

1	2	3	4
सर्वश्री			
1.	तरसेम भिहा	निजी सचिव (के० स० श्रा० से० का ग्रेड क (तर्द्ध))	2—2—84
2.	के० एस० भट्टाचार्य	--वही--	2—2—84

1	2	3	4
3.	के० सुदर्शन	प्रध्यक्ष, सं० लो० से० श्रा० के विशेष सहायक	2—2—84
4.	पी० पी० मिका	निजी सचिव (के० स० श्रा० से० का ग्रेड क (तर्द्ध))	20—2—84
5.	एम० एम० एल० छांदना	—वही—	1—5—85

एम० पी० जैन
अवर सचिव (का० प्रशा०)
संघ लोक सेवा आयोग

कार्मिक एवं प्रशिक्षण, प्रशा० सुधार,
लोक शिक्षापत्र तथा पैशान मंत्रालय
(कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली—110003, दिनांक 15 जूलाई 1986
सं. ए०—19021/11/82—प्रशा० ५—प्रत्यावर्तन होने पर
श्री एम० एल० शर्मा भा० पु० सेत्रा (गवर्नर—1972) पुत्र

घटीकाक, के० श्र० व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, विशेष एकक की सेवाएं दिनांक 26 जून, 1986 पूर्वाह्न से राजस्थान सरकार को सौंपी जाती है।

सं० 3/28/85-प्रश्ना०-५—राष्ट्रपति ने श्री पी० उन्नी-कृष्णन, पुलिस उपाधीकाक, केन्द्रीय अवैषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना को एतद्वारा दिनांक 30 जून, 1986 पूर्वाह्न से आगे आदेश होने तक, तदर्थ आधार पर, केन्द्रीय अवैषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन पुलिस अधीकाक के रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 16 जून 1986

सं० ए०/19036/2/78-प्रश्ना०-५—निवर्तन होने पर, श्री सुगत सिंह गोगावत, पुलिस उपाधीकाक, के० श्र० व्यूरो जयपुर ने, दिनांक 31 मई, 1986 अपराह्न को पुलिस उपाधीकाक, के० श्र० व्यूरो के पद का कार्यभार त्याग दिया।

धर्मपाल भला,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
के० श्र० व्यूरो

गृह मंत्रालय

लेस अनुसंधान एवं विकास व्यूरो
दिल्ली, दिनांक 17 जुलाई 1986

सं० 3/15/35-प्रश्ना०—राष्ट्रपति, श्री आर० के० राय, श्राई० पी० एस० (प० ब०) को 11 जून, 1986 (पूर्वाह्न) से आगे आदेशों तक के लिए केन्द्रीय गुप्तचर अग्रिक्षण स्कूल कलकत्ता में प्रधानाचार्य के पद पर नियुक्त करते हैं।

एस० के० मलिक,
महानिवेशक

महानिवेशक के० रि० पु० बल

नई दिल्ली, विनांक 14 जुलाई 1986

सं० ओ० दो 617/69-स्था०—श्री जे० एस०डी बवसन सहायक कमान्डेंट 41 बटालियन का देहान्त दि० 5 जुलाई 1986 (अपराह्न) को हो गया है। उन्हें दि० 6-7-86 (पूर्वाह्न) से पुलिस की गणना से हटा दिया गया है।

दिनांक 15 जुलाई 1986

सं० ओ० टी० 2216/86-स्थापना—राष्ट्रपति, जी ने डॉक्टर ध्रुव नारायण की अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी आफिसर प्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 3 जुलाई 1986 पूर्वाह्न से संर्व नियुक्त किया है।

सं० ओ० टी० 2217/86-स्थापना-I—राष्ट्रपति, जी ने डॉक्टर आणुनोप उआधाय की अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में डी० ड्यूटी आफिसर, प्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 4 जुलाई 1986 पूर्वाह्न से संर्व नियुक्त किया है।

सं० ओ० टी० 2218/86-स्थापना-I—राष्ट्रपति जी ने डॉक्टर राजेन्द्र प्राप्ति गिह की अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में ज०ए० ड्यूटी आफिसर प्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 30 जून, 1986 पूर्वाह्न से संर्व नियुक्त किया है।

किशन लाल
उप निवेशक-स्थापना

महानिवेशक

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110 003, दिनांक 14 जुलाई 1986

सं० ई०-32015(3)/4/86-कार्मिक-II—राष्ट्रपति, श्री आर० के० भगत, सहायक कमान्डेंट को प्रोप्रति पर 17 जून 1986 के नियमित आधार पर के० ओ० सु० ब० यूनिट, श्राई० जी० मिन्ट, हैदराबाद का उप कमान्डेंट नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 जुलाई 1986

सं० ई०-32015(2)/4/86-कार्मिक-I—राष्ट्रपति, श्री ए० एन० खतुरिया, सहायक कमान्डेंट को प्रोप्रति पर दिनांक 25 जून 1986 (पूर्वाह्न) से नियमित आधार पर के० ओ० सु० ब० यूनिट, एच० एफ० एन०, दुर्गपुर के कमान्डेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ई०-32015(3)/2/86-कार्मिक-I—राष्ट्रपति श्री एच० ए० पतू, सहायक कमान्डेंट को प्रोप्रति पर दिनांक 27 जून, 1986 (पूर्वाह्न) से नियमित आधार पर के० ओ० सु० ब० यूनिट, “नाइजी” बंगल के उस कमान्डेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

हस्ताक्षर श्रपठनीय
महानिवेशक/के० ओ० सु० ब०

श्रम मंत्रालय

श्रम व्यूरो

शिमला-171004, दिनांक 1 अगस्त 1986

सं० 5-1-86—सी. पी. आई—जून, 1986 में आशो-गिक श्रमिकों का अद्वितीय उपभोक्ता मत्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) मई 1986 के स्तर से सात अंक बढ़ कर 658 (छ: सौ अठावन) रहा। जून 1986 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 800 (आठ सौ) आता है।

विजय कुमार
उप निदेशक

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

मालिन रो०, दिनांक 15 जुलाई 1986

सं० 246/क—प्रवित्रूचना संख्या 669/८ दिनांक 1-1-1986 के क्रम में श्री जी० वी० करंगान की उपविवेत्रण अधिकारी, भारत प्रिंटिंग मुद्रणालय के रूप में तर्थ आधार पर नियुक्त को दिनांक 19-6-1986 से 18-12-1986 (मध्याह्न) तक छ: माह की अवधि के लिए या उसी पर

नियमित आधार पर भरे जाने तक इसमें जो भी पहले हो बढ़ाया जाता है।

पा० सु० शिवराम
महाप्रबन्धक

प्रतिसूति कागज कारखाना।

होशंगाबाद-461 005, दिनांक 9 जुलाई 1986

क्रमांक 7(66)/3051—इस कार्यालय की अधिसूचना
क्रमांक 7(66)/8850 दिनांक 6/2/1986 के सारतम्य में
श्री च० प्र० भाटिया की रु० 840-40-1000-द० अ०-
40-1200 के वेतनमान में सहायक कार्य प्रबन्धक के पद
पर की गई तदर्थ नियुक्ति की अवधि दिनांक 31-7-1986
तक बढ़ाई जाती है।

षा० रा० पाठक
महाप्रबन्धक

महालेखा शर (ले एवं ह) का कार्यालय

हैदराबाद-500463, दिनांक 11 जुलाई 1986

सं० प्रशास० I/ले० एवं ह०/8-88/86-87—महालेखाकार
(ले० एवं ह०) आन्ध्र प्रदेश हैदराबाद महोदय ने स्हृष्टि भित्ति-
लिखित अनुभाग अधिकारी को 840-40-1000-द० अ०-
40-1200 रु० के वेतनमान में लेखा अधिकारी के रूप में
उनके नाम के आगे बतायी गई तारीख से प्रभावी अगले
आठवें दूसरे दूसरे स्थानपन्थ पदोन्नति किया है।

नाम	भार शहृण करने की संस्थाएँ
-----	------------------------------

श्री गुलाम हुसैन	3-7-1986 (पूर्वाह्न)
------------------	-------------------------

यह पदोन्नति आदेश उनके वरिष्ठों के दावों पर बिना
कोई प्रतिकूल प्रभाव डाले, यदि कोई हो, तथा आन्ध्र प्रदेश
उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय में लंबित रिट याचिकाओं
के परिणामों के अधीन माने जाएंगे।

ह० अपठनीय
उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार लेखापरीक्षा प्रथम, म० प्र०

ग्वालियर, दिनांक 24 जूलाई 1986

क्रमांक/प्रशासन 16/समूह-1/पदोन्नति/ले० प० अ०/77/
313—महालेखाकार (लेखापरीक्षा) प्रथम ने निम्नलिखित
सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों को स्थानापन्थ लेखापरीक्षा
अधिकारी के पद पर वेतनमान रूपए 840-40-
1000 द० रो०-40-1200 में उनके नाम के आगे दर्शाएँ

गए कार्यभार शहृण करने की दिनांक से आगामी आदेश
तत पदोन्नति किया है।

क्रमांक	नाम	स्थाई क्र० ०१/	कार्यभा० शहृण करने का दिनांक व पदोन्नति दिनांक
सर्वश्री			
1	आर० सी० दीक्षित	380	30-4-86 (पूर्वाह्न)
2	के० एल० पचारी	373	2-5-86 (पूर्वाह्न)
3	ए० आर० याजिक	385	21-5-86 (पूर्वाह्न) (प्रोफार्मा एड० अन्डर एम० वा० आर०)
4	टी० सी० अहिरवा०	1075	21-5-86 (पूर्वाह्न)

[रायित : महालेखाकार (लेखापरीक्षा) प्रथम के आदेश
दिनांक 29-4-86 एवं 20-5-86]

ह० अपठनीय
उपमहालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं ह लेखारी), पंजाब

चण्डीगढ़, दिनांक 29 जनवरी 1986

विषय। नेंद्रीय सिविल सेवा (अस्थाई सेवा) नियमावली,
1965 के नियम 5(1) के अन्तर्गत सेवा समाप्ति का नोटिस
सं० ग्र० 3/प्र० डी/टरमिनेशन/85-86/2222-26-नेंद्रीय

सिविल सेवा (अस्थाई सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5 के
उप-नियम 1(1) के अनुरूप में, मैं राम सिंह, प्रबंग उप-महा-
लेखाकार (प्रशासन), श्री अमरनाथ चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को
नोटिस देता हूँ कि उत्तरकी सेवाएँ इस नोटिस के पारी होने की
शिथि से एक माह का समय समाप्त होने के पश्चात् समाप्त
समझी जाएंगी।

प्रतिलिपि प्रेषित

श्री अपरत्यक्ष ग्र० डी C/o मंगल राम, मकान नं० 4401
मौ० छोटा नानूमल, पटियाला

राम सिंह,
प्रबंग उप महालेखाकार (प्र०)

निकेश ह, लेखापरीक्षा, केन्द्रीय का कार्यालय

कलकत्ता-700001, दिनांक 14 जूलाई 1986

सं० प्रजा०-1/सी०/राजनिया/1053-54—निकेश कलेखा-
परीक्षा, केन्द्रीय, कलकत्ता ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों
को रुपया 650-30-740-35-880-ई० बी०-40-1040
के वेतनमान पर स्थानापन्थ सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी
(ग्र० 'ख') के पद पर उनके नामों के साथ दिए गए कार्यालय

से अगले आवेद जारी किए जाने तक निवेशक लेखापरीक्षा केन्द्रीय, कलरुत्ता के नार्यालिय में नियुक्त बिए हैं।

क्र० सं०	नाम	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
----------	-----	------------------------------

सर्वश्री		
1	साधन चन्द्र मंडल	23-6-1986 (पूर्वाह्न से)
2	विभूति भूषण साहा	3-6-1986 (पूर्वाह्न से)
3	असीम कुमार सरकार	29-5-1986 (पूर्वाह्न में)
4	भूपाल चन्द्र बनर्जी	3-6-1986 (पूर्वाह्न से)

ह० अपठनीय
उद्दि० ल० परीक्षा (प्रशा०) केन्द्रीय

कार्यालय निवेशक लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली—110 001, दिनांक 15 जुलाई 1986

सं० 1510/ए—स्थापता/130/86—वार्षिक्य निवृत्ति आयु प्राप्त करने पर निम्नलिखित लेखापरीक्षा अधिकारियों, रक्षा सेवाएं, उद्योग जासौं के समक्ष दर्शाई गई तिथि को सेवा-निवृत्ति हुए :—

क्र०	नाम एवं पदनाम	दिनांक एवं सेवा सं०	निवृत्ति हुए
------	---------------	------------------------	--------------

सर्वश्री		
1	एम० मित्रा, स्थाई लेखापरीक्षा अधिकारी	31-1-1986 (अपराह्न)
2	पी० के० गुहा, स्थाई लेखापरीक्षा अधिकारी	28-2-1986 (अपराह्न)
3	के० कृष्णामूर्ति, स्थाई लेखापरीक्षा अधिकारी	30-6-1986 (अपराह्न)
4	बी० आर० खना, स्थाई लेखापरीक्षा अधिकारी	30-6-1986 (अपराह्न)
5	एस० नटराजन, स्थाई लेखापरीक्षा अधिकारी	30-6-1986 (अपराह्न)
6	बी० के० पाल, स्थाई लेखापरीक्षा अधिकारी	30-6-1986 (अपराह्न)

दिनांक 18 जुलाई 1986

सं० 1606/ए० प्रका०/130/86—इस कार्यालय के दिनांक 25-2-1986 के अधिसूचना संख्या 7126/ए० प्रशासन/130/82-85 के क्रमांक 5 के कालम 4 में “30-9-85” के स्थान पर “30-9-85” (अपराह्न) पढ़ा जाए।

बी० एस० गिल,
संयुक्त निवेशक, लेखापरीक्षा,
रक्षा सेवाएं,

घस्त्र मन्त्रालय

हथकरघा विभाग आयुक्त का कार्या :

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1986

सं० 1/4/86—बी० सी० एच०/प्रशासन—1 (भाग—1)—राष्ट्रपति उप विभाग आयुक्त (हथकरघा) श्री गोम प्रकाश, भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी (मणिपुर, तिपुरा : 77) को 18 जून, 1986 के पूर्वाह्न से जागामी आदेशों द्वाके लिए, प्रतिनियुक्ति आधार पर प्रवर्तन मशीनरी के केन्द्रीय नार्यालिय दिल्ली में मुख्य प्रवर्तन अधिकारी के पद परिवृक्त करते हैं।

एन० एन० वासुदेव,
अपर विभाग आयुक्त हथकरघा

उद्योग मन्त्रालय

आंदोलिक विभास विभाग

विभास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1986

सं० 19018 (430)/79-प्रशा० (राज०)—तिकन्दराबाद में रेलवे बोर्ड के अधीन रसायनी और धातुविज्ञानी के रूप में नियुक्त होने के फलस्वरूप, श्री राधे श्याम ने 30-5-86 (अपराह्न) से लघु उद्योग सेवा संघान, अहमदाबाद में सहायता निवेशक श्रेष्ठ—1 (धातु विज्ञान) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सी० सी० राय,
उपनिवेशक (प्रशा०)

इस्पात और खान मन्त्रालय

इस्पात विभाग

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता—20, दिनांक 11 जुलाई 1986

सं० ई०—I—12 (78)/86 (३)—अधोहस्ताक्षरी एतद्वाया श्री एम० एल० भट्टाचार्जी, अधीक्षक को दिनांक 1-7-1986 पूर्वाह्न से इस कार्यालय में श्री बी० एन० मंडल, सहायक भुगतान आयुक्त के स्थान पर अवकाश रिक्त पर अस्थायी तौर पर स्थानापन्न रूप में सहायक भुगतान आयुक्त के पद पर नियुक्त करते हैं।

बी० के० घोष,
लोहा और इस्पात नियंत्रक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय
फिल्म प्रभाग

बम्बई-400026, दिनांक 10 जुलाई 1986

सं० 5/13/58-सिवन्दी-1—श्री बी० एस० मधुर के निवासन की आयु कर सेने के परिणामस्वरूप उन्होंने फिल्म प्रभाग, बम्बई के कैमरामैट के पद का कार्यभार दिनांक 30 जून, 1986 के उपरान्ह से छोड़ दिया।

मरेन्द्रनाथ शर्मा,
प्रशासकीय अधिकारी
कृते मुख्य मिमिति

भंडारी श्री जी० बी० जी० राव को इसी निवेशालय में दिनांक 3-5-1986 (पूर्वाह्न) से 13-6-1986 (अपराह्न) तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880—40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के बेतनमान में सहायता भंडार अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति श्री के० सी० एस० पिल्लै के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त अवधि के लिए छुट्टी प्रदान की है।

बी० जी० कुलकर्णी,
प्रशासन अधिकारी

कृषि मंत्रालय

(कृषि एवं सहकारिता विभाग)

वनस्पति रक्षा, संग्रहोध और संग्रह निवेशालय

फरीदाबाद (हरियाणा), दिनांक 14 जुलाई 1986

सं० 7-9/86 प्रशासन-प्रथम—वनस्पति रक्षा सलाहकार, भारत सरकार, श्री अनिल कुमार राय की दिनांक 23-6-1986 (पूर्वाह्न) से वनस्पति रक्षा संग्रहोध और संग्रह निवेशालय के अधीन केन्द्रीय निगरानी केन्द्र, गोहाटी में ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान में निगरानी अधिकारी (समूह “ब” राजपत्रित) के पद पर अस्थाई आधार पर अगले आवेदनों तक नियुक्त करते हैं।

एस० पी० कुटार,
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी,
कृते वनस्पति रक्षा सलाहकार,

परमाणु ऊर्जा विभाग
निर्माण एवं सेवा वर्ग

बम्बई-400 094, दिन 3 जुलाई 1986

सं० सी० एण्ड एस० जी०/ए०/२ (42)/3940—निवेशक, निर्माण एवं सेवा वर्ग, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री एम० मुकुन्दन, सहायक कार्यालय अधिकारी, संपदा प्रबंध निवेशालय को श्री डी० एन० शेट्टी, प्रशासन अधिकारी—द्वितीय, निर्माण एवं सेवा वर्ग में प्रशासन अधिकारी द्वितीय के पद पर अस्थायी रूप से तारीख 30-6-1986 पूर्वाह्न से स्थानापन्न करने के लिए एक्वारा नियुक्त करते हैं।

डी० एन० शेट्टी
प्रशासन अधिकारी (द्वितीय)

क्रय और भंडार निवेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 8 जुलाई 1986

सं० क्र० नि०/११/१७/८५—प्रशा०/३३८०—परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भंडार निवेशालय के निवेशक ने स्थायी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500 016, दिनांक 1 जुलाई 1986

सं० प० ख० प्र०-16/9/85-भर्ती-10460—निवेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एक्वारा प्रभाग के स्थायी उद्यायक श्री के० एम० कोशिक को उसी प्रभाग में, श्री के० ए० पिल्लै, सहायक कार्यालय अधिकारी को छुट्टी प्रदान किए जाने पर, 10 जून, 1986 के पूर्वाह्न से 11 जुलाई, 1986 तक तदर्थ रूप से स्थानापन्न सहायक कार्यालय अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० एस० आर० मूर्ति,
प्रशासन अधिकारी-II

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400 008, दिनांक 11 जुलाई 1986

सं० 05012/आर० १/प्र०० पी०/2932—भारी पानी परियोजनाओं के प्रधान कार्यकारी, भारी पानी परियोजना (के० का०) के स्थायी प्रब्रह्म श्रेणी लिपिक श्री श्रीकृष्ण श्रीहरी खानोलकर, को इसी कार्यालय में श्री जी० कुलदेवेलू, सहायक कार्यालय अधिकारी, जो छुट्टी पर है के स्थान पर अस्थायी रूप में, तदर्थ आधार पर 7-5-1986 (पूर्वाह्न) से 6-6-1986 (अपराह्न) तक के लिए स्थानापन्न सहायक कार्यालय अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 06012/भ-४/स्था० पदो०/2933—भारी पानी परियोजनाओं के प्रधान कार्यकारी, श्री ए० जौन स्टिफन, प्रब्रह्म श्रेणी लिपिक, भारी पानी संयंत्र (तूतीकोरिन) को इसी संयंत्र में श्री जी० पदमताभन, सहायक कार्यालय अधिकारी जी स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी-III ल० क्त किए गए हैं के स्थान पर 13-1-1986 (पूर्वाह्न) से 7-3-1986 (अपराह्न) तक के लिए अस्थायी तौर पर तदर्थ प्रधार पर स्थानापन्न सहायक कार्यालय अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 05012/भ०/२/स्था० पदो०/2934—भारी पानी परियोजनाओं के प्रधान कार्यकारी, श्री घनश्याम छगनभाई

पटेल, प्रवर श्रेणी लिपिक, भारी पानी संयंत्र (बड़ोवा) को इसी संयंक में श्री एम० जी० नायर, सहायक कार्मिक अधिकारी जो स्थानापन्न श्वम तथा कल्याण अधिकारी नियुक्त यिए गए हैं के स्थान पर 31 दिसम्बर 1985 (पूर्वाह्न) से 30 जनवरी 1986 (अपराह्न) तक के लिए अस्थायी तौर पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्रीमती के० पी० कल्याणीकुट्टी,
प्रशासन अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर-560 009 दिनांक 23 जून 1986

सं० ६/३९/८४-सी० इ० डी० (एच०) --मुख्य इंजीनियर, सिविल इंजीनियरी प्रभाग, अन्तरिक्ष विभाग श्री एच० श्री निवास गाडियार को 10-2-1986 के (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक अंतरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में इंजीनियर-एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

के० इन्दिरा देवी
प्रशासन अधिकारी-१
कृते मुख्य इंजीनियर

इन्सेट-१ प्रधान नियन्त्र सुविधा

हसन-५७३ २०१ दिनांक 24 जून 1986

सं० एम० सी० एफ० प्रशासन स्थापना--जी० एन० ०३०-परियोजना निदेशक, इन्सेट-१ अंतरिक्ष खण्ड परियोजना अन्तरिक्ष विभाग श्री एफ० सेल्वाङोज को जून 23, 1986 (पूर्वाह्न) से इन्सेट-१ प्रधान नियन्त्रण सुविधा, हसन में इंजीनियर-वैज्ञानिक-एस० बी० के पद पर नियुक्त करते हैं।

बी० के० नायर
प्रशासन अधिकारी
कृते परियोजना निदेशक

इसरो उपग्रह केन्द्र

बंगलौर-५६० ०१७, दिनांक 4 जुलाई 1986

सं० ०२०/१(१५.१)/८६-स्थापना-१--इसरो उपग्रह केन्द्र के निवेशक निम्नलिखित व्यक्तियों को वैज्ञानिक/अभियंता "एस० बी०" पद पर वर्षाहि गई तिथियों से प्रगले आदेश प्राप्त

होने तक अस्थायी आधार पर अंतरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र बंगलौर में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	पदनाम	दिनांक
सर्वेश्वी			
1.	जी० इम्बुल लतीफ	वैज्ञानिक/अभियंता "एस० बी०"	1-4-86
2.	एस० बयानंद	वैज्ञानिक/अभियंता "एस० बी०"	1-4-86
3.	एन० सीताराम मूर्ति	वैज्ञानिक/अभियंता "एस० बी०"	1-4-86
4.	लक्ष्मी नारायण मुप्ता	वैज्ञानिक/अभियंता "एस० बी०"	1-4-86
5.	पी० टी० थामम	वैज्ञानिक/अभियंता "एस० बी०"	1-4-86
6.	आर० रमेश	वैज्ञानिक/अभियंता "एस० बी०,,	1-4-86
7.	एम० एन० अनन्तपूर्णा	वैज्ञानिक/अभियंता "एस० बी०,,	1-4-86
8.	एस० सुब्रह्मण्या	वैज्ञानिक/अभियंता "एस० बी०,,	1-4-86

एच० एस० रामवास
प्रशासन अधिकारी-II

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-३, दिनांक 17 जुलाई 1986

सं० स्था० (१) ०४१९१--श्री एप० एन० कालम्बी सहायक मौसम विज्ञानी, भारत मौसम विज्ञान विभाग, स्वेच्छाया से भारत सरकार की सेवा से 30-6-1986 की अपराह्न को निवृत्त हो गए हैं।

एस० के० साहा
निवेशक (स्थापना)
कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विभाग का काय लिय
नई दिल्ली, दिनांक 14 जून 1986

सं० ए० १२०२५/१/८४-ई० एन०--राष्ट्रपति संघ लोक सेवा यायोग की सिफारिश पर श्री सी० पी० मास्ते को दिनांक 16-5-1986 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक 700-

1300 रुपए के वेतनमान में उड़न योग्यता अधिकारी के पद पर स्थानापन रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री वी० पी० मास्से को निदेश उड़न योग्यता कलकत्ता एयरपोर्ट कलकत्ता के कार्यालय में तैनात किया जाता है।

दिनांक 30 जून 1986

सं० ए० 12025/2/84—स्था०—१—संघ स्लोक सेवा आयोग की अनुशंसा पर राष्ट्रपति श्री आर० पी० माही को विनांक 30-5-1986 (पूर्वाह्न) से अन्य भादेश होने तक 1100-1600 रुपए के वेतनमान में बरिष्ठ उड़न योग्यता अधिकारी के पद पर स्थानापन रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 1 जुलाई 1986

सं० ए० 12025/7/83—स्था०—१—संघ स्लोक सेवा योग की अनुशंसा पर राष्ट्रपति श्री ललित गुप्ता को दिनांक 20 जून 1986 (पूर्वाह्न) से और अन्य भादेश होने तक 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रुपए के वेतनमान में बैमानिक अधिकारी (ममूल "क" पद) के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री गुप्ता को तकनीकी केन्द्र नागर विमानन विभाग, सफदरजंग एयरपोर्ट के सामने नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया जाता है।

एम० भट्टाचार्य,
उपनिदेशक प्रशासन

बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 17 जुलाई 1986

सं० 16/352/79—स्थापना—१—सेवा निवृत्ति की अवधि पूरी हो जाने पर श्री किशन लाल, अनुसंधान अधिकारी, बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, विनांक 30 अगस्त 1986 के प्रपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

जै० एन० सक्सेना,
कुल सचिव

निरीक्षण महानिदेशालय

सीमा व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 14 जुलाई 1986

सं० 10/86—श्री आर० एम० राजन ने जो पहले पश्चिमी प्राइविल एक्स निरीक्षण महानिदेशालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बम्बई में सहायश निदेशक निरीक्षण के पद पर कार्यरत थे वित मंत्रालय, राजस्व विभाग के दिनांक 9-7-85 के आदेश संज्ञा 98/85 द्वारा जारी पत्र काइल संज्ञा ए-22012/42/85-प्रगति-II के अनुसार निरीक्षण महानिदेशालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली में सीमा शुल्क और उत्पादन शुल्क तथा स्वर्ण

(नियंत्रण) को दिल्ली न्याय पीठ के लिए मुख्य विभागीय प्रतिनिधि के कार्यालय में स्थानांतरित होने पर दिनांक 16-6-86 को (पूर्वाह्न) में कनिष्ठ विभागीय प्रतिनिधि यु० 'क' के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सं० 11/86—श्री इन्द्र जिहने, जो पहले मद्रास में सहायक समाहृता (सीमा शुल्क) के पद पर कार्यरत थे वित मंत्रालय, राजस्व विभाग के दिनांक 14-5-86 के आदेश संज्ञा 75/86 द्वारा जारी पत्र फा० सं० ए-32012/2/86-प्रगति-II के अनुसार निरीक्षण महानिदेशालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नई दिल्ली में सीमा शुल्क, उत्पादन शुल्क तथा स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय अधिकारण की दिल्ली न्याय पीठ के लिए मुख्य विभागीय प्रतिनिधि के कार्यालय में स्थानांतरण होने पर दिनांक 10-6-1986 (पूर्वाह्न) में कनिष्ठ विभागीय प्रतिनिधि ग्रुप "क" के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एम० एम० जिहने, निरीक्षण महानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110 066, दिनांक 18 जुलाई 1986

सं० ए० 19012/1153/86—स्थापना—पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री अश्वनी कुमार घोष, पर्यवेक्षक को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक ईंजीनियर (ईंजीनियरिंग) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- रुपए के वेतनमान में 30-8-1985 की पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो पूर्ण आधारी तथा तर्थ आधार पर स्थानापन रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० महावेवा अव्यर,
प्रब्रह्म सचिव,
केन्द्रीय जल आयोग

उच्चोग एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और क्वालिटी

सीडिस कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालधर, दिनांक 11 जुलाई 1986

सं० जी/स्टेट/560/5345/1864—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में

एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक ने तीन (3) मास के अवधार पर ब्यालिटी सीडस कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल फारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ऐरा कन्सलटेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनांक 11 जुलाई 1986

सं० जी०/स्टेट/560/1866—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन (3) मास के अवधार पर ऐरा कन्सलटेंट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल फारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और बी० कोलम्बीया टेक्पटाईल मैन्यूफॉर्चरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनांक 11 जुलाई 1986

सं० जी०/स्टेट/560/3278/1874—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बी० कोलम्बीया टेक्पटाईल

मैन्यूफॉर्चरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और बी० ट्रेडर्स (इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनांक 11 जुलाई 1986

सं० जी० (स्टेट/560/2542/1876)—कम्पनी अधिनियम, 1956 के धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बी० ट्रेडर्स (इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

“कम्पनी अधिनियम 1956 और स्टेंडर्ड इमेक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनांक 11 जुलाई 1986

सं० जी०/स्टेट/560/3760/1878—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि स्टेंडर्ड इमेक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

सत्येन्द्र सिंह;
कम्पनी रजिस्ट्रार;
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं छज्जीगढ़

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 जुलाई 1986

आदेश सं.: राज०/सहा० आ० अर्जन/2691—यतः मुझे,
मुझीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो जयपुर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
8-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य से यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंशुह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितात्मकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
घास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्ह किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने पर उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उस अधिनियम, या अन्तरक
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसूचण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा० (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2-186 GI/86

(1) श्री विरेन्द्र सिंह पुत्र श्री श्यामसुदर चौरडिया
निवासी—आगरा स्वयं एवं मुख्याग्राम श्री रोशन-लाल
चौरडिया, श्री कुंजबिहारी चौरडिया एवं सेलेन्द्र चौरडिया
पुत्रान् स्वर्गीय श्री श्यामसुदर लाल चौरडिया।
(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश चौमसी पुत्र श्री मज्जनलाल चौमसी
एवं श्रीमती वनमाला परिन श्री प्रकाश चौमसी
निवासी—उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीफ से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते।

सम्पूर्ण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति फतेहपुरा; उदयपुर जो उप-पंजियक,
उदयपुर द्वारा कम संख्या 3165 दिनांक 8-11-1985 पर
पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

सुधीर चन्द्रा
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक : 17-7-1986

सौम्या

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/7/37ई०/11-85/
2—अतः मुझे, ए० के० मनचन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ('जिसे इसके प्रतिक्रिया की धारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० 10-ए, है तथा जो पृथ्वीराज रोड, में स्थित है (और इसके उत्तरदूर ग्रन्तुमूल्की में पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विषवास करने का कारण है कि दृश्यपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुए किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के शायद में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-यार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूल्यांकन के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:—

(1) भयाना बिट्टरम प्रा० लि०

जी०-४, लक्ष्मी भवन, 72, नेहरू प्लैट्स,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक मगो, भस अंजली मगो,

ग्राहसा मगो और नताशा मगो बी-५२३, न्यू फ़ैडेस
कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजनके लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभ्रान्त हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मृत्युमूल्य

10-ए, पृथ्वीराज रोड, नई दिल्ली । 1200 वर्ग फीट ।
तल खण्ड और बेसमेंट 800 वर्ग फीट । (फ्लैट सं० 3)

ए० के० मनचन्द्रा

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

दिनांक : 11-7-86
मीहर ;

राज्य बाहुदौ एवं प्रधान :—

बाराकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

प्रार्थित, सहायक आयकर आयकर (विवरकार)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/7/37ई०/11-85/

10—अतः मुझे, ए० के० मनचन्दा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'लक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
व के अधीन सकार प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो शो रूप वी बन्दना विलिंग में
स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली
में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक
नवम्बर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथार्थवादित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
गत्वा है प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
जौर/वा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
नहीं किया;

(1) मिसेस उषा कपूर
ए-19, न्यू फैडस कालोनी,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मिसेस उषा कपूर एण्ड अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है ।

क्षम सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यपेतः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख म 4th
दिन की वर्धिया तत्त्वमध्ये व्यक्तियाँ पहुँच
की तारीख स 30 दिन का वधाध, जो भी वधाध
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिता-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी से
पास लिखित में लिए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभासित
है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय मा दिया
गया है ।

अनुसूची

गौं रूप वी बन्दना विलिंग, नई दिल्ली (दावपत्राण मार्ग
पर स्थित) ।

रा० र० मा० बन्दा
न्यू प्राधिकारी
स्थायी वायक अनुकूल (फीक्सेन)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली ।

अंक: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 11-7-1986
मोहर :

प्रख्यात दौरों इन एवं—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर बायकर बायकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज—7, नई दिल्ली
नहै दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/7/37ई०/11-85/
11—अतः मुझे, ए० के० मनचन्दा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विवास करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डब्ल्यू—15 है तथा जो जी०—के०—2, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), आयकर प्रयोगिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज—7, नई
दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन,
दिनांक नवम्बर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरीतीय) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तद पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित हैं
प्रास्त्रियक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(ए) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कड़ देने की बन्दूक वा
वारियत में कमी करने वा उद्देश्य सूचने में छापिया
के बिंदु; बट्टा/धा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहे भारतीय आयकर अधीनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकरण नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में
सहायता के लिए;

अतएव उक्त अधिनियम की धारा 269-व की बन्दूक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) श्रीमती घना देवी कुडालमिया और अन्य
 - 1, तीस जनवरी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)
- (2) भारतीय कट्टलर हेमर लिमि० और अन्य
 - 38, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अंतर्गत के तिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की ताकीत वे 30 दिन की अवधि, जो भी
व्यक्ति वाले मैं समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मैं हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
त्रिभित्र में किए जा सकते हैं।

लक्षण:—इसमें प्रयुक्त वाक्यों वाले पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट वियरिंग सं० डब्ल्यू—15 तादादी 2000 वर्ग गज।
प्रेटर कलाश—2, नई दिल्ली।

ए० के० मनचन्दा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज—7, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 11-7-1986

मोहर :

प्रारूप आईटीएन.एस.जे.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43
को धारा 269 प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आर्थिक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1986

निवेश मं० आई० प० मी०/गव्य०/37ई०/11-85/

6—अतः मुझे, प० क० मनचन्दा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 556, है तथा जो जी०-के०-२, नई दिल्ली
में स्थित है (और इसके उपावद्वारा अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)^१
आयकर अधिकारी को कार्यालय अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक
नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हस्यमान
प्रतिष्ठित के लिए अन्तरित की गई और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्वक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हस्यमान प्रतिफल से ऐसे हस्यमान प्रतिफल का
एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
स्थिति में वास्तविक रूप से कीथित नहीं क्या गया है—

(1) श्री मनोरमा आहुजा,
बी-50, एन० डी० एम० फ०-2, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्रार० के० अपार्टमेंट्स
प०-449 छिफैस कालीनी,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यवाहीया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी आकोप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में व्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाइ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी वा
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्जों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अधीन कर देये हैं अन्तरकों के
साथ सूचना में कियी करने या उससे बदलने में सूचित
की लिए; आहु/या

(क) अन्तरक में हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देये हैं अन्तरकों के
साथ सूचना में कियी करने या उससे बदलने में सूचित
की लिए; आहु/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तीयों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रधानमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविष्ट था, विसाने में सूचित
की गिरह;

अनुसूची

ई-556 ग्रेटर कलाण-2, नई दिल्ली।

प० के मनचन्दा
मक्षम ग्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली, दिल्ली-110002

अतः आवा, उक्त अधिनियम की धारा 269-के अनुसर
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात्—

दिनांक : 10-7-1986
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.---- -

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

आज्ञन रेखा

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेखा-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1986

निदेश सं 0 अई० ए० सी०/एक्य०/7/37ई०/11-85/

4—अंतः मुझे, ए० के० मनचन्दा,

अधिकर अधिकारी, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन उक्त प्रतिक्रियारी को वह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर/201, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, में
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसुची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेखा-7, नई दिल्ली में
भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक नवम्बर
1985,

मेरी पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम हो ज्यवाल
प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुझे यह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इष्टवाल प्रतिफल से लगभग इष्टवाल प्रतिफल का
निम्न प्रतिहात से जटिल है और अंतरक (बंतरकों) और बंतरिती
(बंतरीन्हेटों) के दीन ऐसे बन्तरक के लिए तब यदा यथा
प्रतिफल, दिनांकित रद्दवेद से उक्त सम्पत्ति विभिन्न
वे वास्तविक सम से कठित नहीं किया गया है ।

(क) बंतरण से हुई किसी आद की वाल्या उक्त अधिकारी
विषय को अधीन कर देने के बंतरक के दायित्व में
कमी सरवे वा उससे बचने वे सूचिया हैं [ग्रंथ
बार/शा]

(ल) ऐसी किसी आद या किसी भन या अन्य बाल्याओं
में चिह्न है भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ बंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, उक्ताने हें सूचिया
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभया (1)
के अर्थान, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री शोरिन्द्रा कुमार बोस,
प्रेस एन्कलेव, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) यूनाइटेड इंडिया इंशोरेंस कम्पनी लि०
591-504, कैलाश बिल्डिंग, के० जी० मार्ग,
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की बरिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की बरिधि, जो भी
बरिधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित वे किए गए दस्तऐवं ।

स्थावरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

259 वर्ष गज, फीहोल्ड प्लाट 1 आर-201, ग्रेटर कैलाश-
1, नई दिल्ली ।

ए० के० मनचन्दा
सक्षम आधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेखा-7, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 11-7-86

मोहर :

प्रधान मंत्री द्वारा प्रकाशित
प्रधानमंत्री का उपचार

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाजार (निरीक्षण)

अर्जन रेज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/7/37ई०/11-85/
8—अतः मुझे, ए० के० मनचन्दा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 511, है तथा जो 5वां खण्ड, 7
टाल्स्टाय मार्ग में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसुची में
पूर्व रूप से वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन
रेज-7, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961
के अधीन, दिनांक नवम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के सचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तब
पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या इन्युमिलियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण
में, नै, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री सतीश वर्मा एण्ड अन्य,
आई-56ए, कीर्ति नगर, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) मास्टर्स सुहेल नासिर एण्ड अन्य,
के-116, हौजबास एंकलेव, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारहस्ताक्षरी के पाल
नियित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसुची

फ्लैट सं० 511, 5वां खण्ड, 7 टाल्स्टाय, मार्ग, नई दिल्ली

ए० के० मनचन्दा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-7 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 11-7-86

मोहर :

राज्य आदौ दी.एन.पुस्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

राज्य प्रबन्ध

कार्यालय, सहायक आयकर बायपत्र (प्रिवेट)

अर्जन रोज़-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/7/37ई०/11-85/1—

अतः मुझे, ए० के० मनचन्दा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए०-141, है तथा जो जी०-के० 2, नई
दिल्ली 1 में स्थित है (और इसमें उपावद्व अनुसुची में पूर्ण रूप
में वर्णित है), आयकर अधिकारी के कायलिय, अर्जन रोज़-7
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन,
दिनांक भवम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हरू किसी बाय की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दी जी अस्तरक को
षांकित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
वे तिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य अस्तित्वों
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को
प्रशोधनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना जाए था, जिसने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) युवेन विलिंग

ई-21ए, ईस्ट लाफ कैलाश,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मिसेस माला कुमार

42, बंगला रोड, नई दिल्ली- 1

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्बन्ध के अर्बन के संबंध में कोई भी वादोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की वापील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हितबद्ध
किसी जन्य व्यक्ति इवारा वधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अधाव दें लिया
जाय है।

अनुसुची

फ्लैट दूसरा खण्ड, ए०-141, गेटर कैलाश-2, नई दिल्ली

ए० के० मनचन्दा
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-7, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 11-7-1986

मोहर :

प्रसाद शाहू टी.एन.एस.पी.---

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जूलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/7/37ई०/11-85।

7—अतः मुझे ०, ए० के० मनचन्दा,
आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
दस्तके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-के
तहे अधीन सशम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य १,०००००/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० आर-186/ है तथा जो जी०-१, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-७, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1985.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए इय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तितित वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है;—

(क) अन्तरण से ही किसी वाय की वायत उपर भिन्न अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में करने वा उससे वधने में सौंचा वे लिए; और/या

(४) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा हो लिए;

(1) श्री रूपिन्दर सिंह,
5, राजदूत मार्ग, चाणक्यपुरी
नई दिल्ली।

(अन्तर्क)

(2) श्री उमेश कुमार वर्मा
ई-303, ईस्ट आफ कैलाश,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिक्षी)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के सिलसिले कार्यवाहियां करता हैं।)

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वालपेण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाल्क में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(८) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साक्षीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

10

ई-303, ईस्ट अफ कैलाथ, नई दिल्ली वहां एक मैदान है, जिसका क्षेत्रफल 1165.1 वर्ग फीट ।

ए० के० मनवन्दा
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण),
अर्जन रोड-7, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 11-7-1986,
साहूर ५

प्रस्तुत बाइंटी एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)^१
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

उत्तर सरकार

कार्यालय, यात्रायक आयकर बाबूकर (पिरीक्षण)

अर्जन रेज-7, भई दिल्ली

भई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1986

मिटेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/7/37ई०/11-85/
9—अतः सूचना, ए० के० मन्त्रन्दा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० प्लैट सं० एफ-8वां खण्ड, वन्दना बिल्डिंग है
तथा जो टालस्टाय मार्ग में स्थित है (प्रौद्योगिकी अनुसूची
में पूर्व खण्ड से अंशित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय,
अर्जन रेज-7, भई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम,
1961 के अधीन, दिनांक भवम्बर, 1985,

की प्रश्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सूचने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
क्ति निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है ॥

(a) अंतरण से हूँड़ किसी आय की बाबत उक्त सम्पत्ति के अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे क्षमने में सुविधा के लिए;
वैर/या

(b) ऐसी किसी आय या किसी भव या अन्य वास्तविकों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-
धार अधीनन्दन, 1957 (1957 का २७) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रक्ट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, कियाने में भविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) चौधरी लक्ष्मन सिंह,

4/13, शांति निकेतन, भई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) गोक्क पटेल बालकर्ण लिमि०

फारबस बिल्डिंग चरनजीत राय मार्ग, बम्बई।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके प्रदृष्ट सम्पत्ति के अंतर के बिषय
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रदृष्ट सम्पत्ति
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदृष्ट शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट सं० एफ-8वां खण्ड वन्दना बिल्डिंग, 11, टालस्टाय
मार्ग, भई दिल्ली कारपिट परिया 815.24 वर्ग फीट।

ए० के० मन्त्रन्दा
लक्ष्म प्राधिकारी,
महायक आयकर आयकर (पिरीक्षण),
अर्जन रेज-7, भई दिल्ली-110002

दिनांक : 11-7-1986

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1986

निदेश सं. आई.टी.एन.एस. सी.एफ.यू.वि.7/37ई/11-85/

3—अरी. मुझे, ए.० के० मननन्दा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-से के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 10-ए, है या जो पृथ्वीगत रोड, में स्थित
है (अरी. डमपे उपाध्यक्ष अनुसुची में पूर्व रूप से दर्ज है), आयकर
अधिकारी को सायलिय, अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में भारतीय
आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 1 नवम्बर 1985,
को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रोत्तरत के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से, एसे दद्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह ग्रन्तियां से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितात्मक) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्राप्त-
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित से वास्तविक
से कठित नहीं किया गया है ।

(५) अन्तरण से हरे किसी नाम की आवश्यक, सूचना
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक वै
दायित्व में करने या उससे रखने में जांच के
के लिए; और/या

(६) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भत्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया आना चाहिए था, लेणने में
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं. उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात २—

(1) स्थाना विलिंगरस प्रा० लिमि०
जी-4, लक्ष्मी भवन, 72, नेहरू प्लैस,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) पी० जे० डेवरस प्रा० लिमि०
चटर्जी इण्टरनेशनल विलिंग, फ्लैट सं.० ए.
13वां खण्ड, 33ए, जंबाहरलाल नेहरू रोड,
कलकत्ता- ।

(अन्तिम)

को यह सूचना आरी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवाय—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वि.
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वि.
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयाकृ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के लिए
लिखित या फैसले या प्रकार ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के दद्याय 20-क में शामिल हैं, वही अर्थ होता जो उस दद्याय में दिया
गया है ।

जग्नसूची

103, पृष्ठियाज रोड, 2110 वर्ग फीट । १०५ रुपये ।
(फ्लैट सं. १)

प० क०० मननन्दा
राज्य आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 11-7-1986

मोहर :

उक्त बाईंच टीव एन्ड एफ —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत राजपत्र

कायांसव, सहायक आयकर आयकर (निरीकण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/7/37ई०/11-85/

5—अंतः मुद्रा, ए० के० मनचन्दा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का द्वारा है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है तथा जो तृथी राज रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर अधिकारी वो कार्यालय, अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक नवम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमात्र इत्तिहास के निए बंतरित की गई है और यह यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्वयमान प्रतिफल से, एंसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृति से अधिक है और बन्तरक (बन्तरको) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरक के निए तथा पाया द्वय इत्तिहास, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त बन्तरक उचित बन्तरक स्वरूप है बाहुदारीक रूप से कठित नहीं किया जाया है ॥—

(क) बन्तरक से हुई किसी बाय की बाब्द, उक्त अधिनियम की अधीन कर हने के बन्तरक के उचित वर्षों की करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

(ख) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य वास्तियों के चिन्ह भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवाद प्रकट नहं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ए० के० मनचन्दा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीकण),
अर्जन रेंज-7, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

बाय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसर्व में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपायां (1) के अप्रीय, निम्नलिखित संकेतका बाब्द ॥—

(1) मेसर्स बिट्टोनी एन० सी० थोरवल्डसम
64, गोल्फ लिक्स, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) दुनकेन्स अग्रो इण्डस्ट्रीस लिमि०
दुनकेन हाउस, 31, नेताजी सुभाष रोड,
कलकत्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सबात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के पाल लिहित में किए जा सकेंगे ।

संबोधण :—इसमें प्रदत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया दिया द्वय है ॥

1, पृष्ठी राज रोड, नई दिल्ली, तादादी-34514 वर्ग
फीट ।

दिनांक : 11-7-1986
मोहर :

प्रत्यक्ष संस्कृत विवरण

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना
भारत बाराकर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बिहार पटना

पटना, दिनांक 14 जुलाई 1986

निदेश सं. III/1325/अर्जन/86-87—अन्तः मुझे, दुर्गा जी
प्रसाद,

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (प्रत्यक्ष संस्कृत विवरण 'जलत अधिनियम' जहा जहा है), की धारा 269-ए के अधीन इसमें आधिकारी को वह विवरण करने का कारबंद है कि स्थावर सम्पत्ति, बिहार उचित बाजार मूल्य '1,00,000/- रु. से अधिक है और जिलकी सं. थाता 15, खाता सं. 175 पटला सं. 489 है तथा जो पटना में स्थित है (आँग इसमें उपावड़ अनुसूची में अंगरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ना अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य दे कर के अवगत प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और भ्रम्मे यह विवरास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, ऐसे इष्यमान प्रतिफल का अन्य प्रतिफल से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिटी (अन्तरिटियों) के बीच एम्बें अन्तरण के लिए तय पाया जाता है इष्यक, निम्नलिखित उत्तरेव द्वारा उक्त अनुसूचि विवरण में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ए) अन्यरण दे हूँ जिसी दाव की वापर, उक्त विवरण के अधीन वह दर्भे के अन्यरण के अन्यरण दे करने का उक्त अन्यरण के दृष्टिकोण में विद्युत/वा.

(इ) दौड़ी किसी दाव या किसी दर या दर्भे की वापर, उक्त विवरण के अधीन वह दर्भे के अन्यरण के अन्यरण दे करने का उक्त अन्यरण के दृष्टिकोण में विद्युत/वा.

अतः अप्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रम वृक्ष यादव 2 अरविन्द कुमार 3 जितेन्द्र कुमार, 4 शीश भूषण कुमार 5 कौशल लिंगेर कुमार
ग्राम बड़ी पहाड़ी थाना आलम गंजा पो. बड़ी पहाड़ी जिला पटना ।

(अन्तरक)

(2) मेमसं श्री कण्ठ नगर सहजारी गृह निर्माण समिति लिंग पटना ।

(अन्तरिती)

को वह सूचना प्राप्त करने पूर्वक उम्मीद के अन्य दो विवरण कार्यकालियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अन्य दो विवरण में कोई भी विवरण 0—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन जिसका रक्का 1 बिंदा 9 कट्टा 17 धूर 5 धूरकी है तथा जो जिता पटना में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं. 18278 दिनांक नवम्बर 85 में अर्णव है और जिसका निवन्धन रजिस्ट्रार ऑफ एसूरेन्स ब्रांच कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

दुर्गा प्रसाद
सभम प्राधिकारी,
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,
अर्जन परिषेत्र, बिहार, पटना
दिनांक : 14-7-1986
मोहर :

प्रधान मार्ग टॉ. सन्. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
को भारा 269 प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायूक्त (निरीक्षण)

अजेंट रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 14 जुलाई 1986

निवेशन सं. III/1323/जर्जन/86-87—अन: मुझे, दुर्गा

प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की भारा
269-के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ० सबै प्लॉट सं. 143, खाता सं. ७ तंजी
सं. ५१७० याता सं. २२ है, तथा जो पटना में स्थित है (ओर
इसमें उत्तरव्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर
1985,

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवान
प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और भूमि यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवान प्रतिफल से, ऐसे व्यवान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से प्रतिशत है और अन्तर (बास्तविक) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसा अन्तर जिसके कारण यह सम्पत्ति,
क्षय विवरित उद्देश्य से उक्त व्यवाय विवित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वादित
में कभी कहने या उससे उसने में सुविधा के लिए
नाइ/ना

(ख) दोस्री किसी बाय या किसी भन या बन्द वासिस्तवी
को, किस भारतोद्य आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) का उक्त अधिकारी या बन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रशोधनार्थ अस्तिरीय इकाया प्रवाद नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, क्षिप्रते में
कुरिया, के लिए ;

अठ. ३३, उक्त अधिनियम की भारा 269-के व्यवाय
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प (1) के उपचास (1)
ज्ञातीय, निमानीत व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुमित्रा देवी
निवासी दशरथा थाना फुलवारी शहरी जिला
पटना।
(अन्तरक)
(2) मैसर्स विष्णु राम सहकारी गृहनिर्माण समिति वि.
नोरदन श्री कृष्णपुर, पटना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उससंबंधी अविक्षयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुभ किसी अन्य अविक्षय द्वारा, अधोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धित:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के मा यथा परिभाषा
है, वही अर्थ होता जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकवा 9 कट्टा है तथा जो जिला पटना में
स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या 1/15820 दिनांक
नवम्बर 85 में दिया है और जिसका निवन्धन रजिस्ट्रार आफ
एमुरेन्सेज फ्लॉट्टा के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
सकाम प्राधिकारी,
निरीक्षण सहायक आयकर बायूक्त,
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।

दिनांक : 14-7-1986
मोहर :

प्रस्तुत वाइ. टी. ए. एस. ——————

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(1) श्री नित्या नंद मिह
ग्राम जलालपुर थाना दानापुर जिला पटना।
(अन्तरक)

(2) बिसरस सहकारी गृह निर्माण समिति लि.
पटना
(अन्तरिती)

भारत राजकान्त्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र विहार पटना
पटना दिनांक 14 जुलाई 1986
निदेश सं० III/327/अर्जन/86-87—अतः मुझे दुर्गा
प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की भारा
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विद्युत कार्यालय बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लोट सं० 37 खाता सं० 22 थाना सं०
22 है तथा जो ग्राम जलालपुर थाना दानापुर पटना में स्थित
है (और इससे उपावधि अनुभूति में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8-11-

1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्याप्त
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य से यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे हृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अन्तरितीतयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, गिम्लिवित उद्घास्य से उक्त अन्तरण मिलित हो
पासीक रूप से कठित नहीं किया जाया है ॥

(क) अन्तरण से हुए कियी जाने की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के
दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा
हो लिए; और/या

(द) दूसी किसी बायकर या अन्य वासियों
को, जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
वा वा किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

बताह कर, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६...

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के इच्छन के अनुप
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के इच्छन में कोई भी अक्षेत्र ८—

(क) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, एं भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ब) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हुलबूझ
किसी बन्द व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताशरी के बास
लिप्ति में किये जा सकेंगे।

स्थानीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्षे होंगा जो उक्त अध्याय में विव
पाया है॥

अनुसूची

जमीन जो ग्राम जलालपुर थाना दानापुर जिला
पटना में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या 15829
दिनांक 8-11-85 में वर्णित है और जिसका निबन्धन रजि-
स्ट्रार आफ एंप्लोरेंस कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
नवम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन परिक्षेत्र विहार पटना

दिनांक : 14-7-1986
मोहर

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस. --

सामक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
269-व (1) वाईन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज बिहार पटना

पटना, दिनांक 14 जुलाई 1986

निदेश सं०/III/328/अर्जन/86-87--अतः मुझे

दुर्गा प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 137,143 थाना सं० 22 है तथा जो ग्राम जलालपुर थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1985

को पूर्वोत्तर तर्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोत्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तथा याका प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित हैं वास्तविक रूप से अधिक नहीं जाय जाया जाता है ।

(a) अन्तरण से ही किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(b) एसी कियी जाय या किसी भी या अन्य बासितियों के, जिन्हें भारतीय आद-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाय या किया जाना आहिए या, छिपाने के लिए जाय जाएगा ।

जरुर नोट, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभाषा (1) के अधीय, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवासि ८—

(1) श्री शशि शेखर प्र० मिहा

वेनकेयर को०-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० पटना ।

(अन्तरक)

2. श्री उपेन्द्र मंडल, विसरस सहकारी गृह निर्माण समिति लि० पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोत्तर व्यक्तियों में से किसी अधिक इवारा;

(घ) इस सूचना के हावेपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्पावड़ सम्पत्ति में हितवृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जोहोस्ताकारी के पाठ्र निर्धित में लिखा जा सकेंगे ।

लक्ष्योक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों जौहु पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

ननूसूची

जमीन जो ग्राम जलालपुर थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संज्ञा । 15826 दिनांक नवम्बर 85 में वर्णित है) और जिसका निबन्धन रजिस्ट्रार औफ एंथोरेंस कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

दुर्गा प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन परिक्षेत्र बिहार पटना

दिनांक : 14-7-1986

मोहर :

एक बाहुदौषिण्यक घटना —

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

बिहार पटना दिनांक 14 जुलाई 1986

निदेश सं० III/329/अर्जन/86-87—प्रतः मुझे दुर्गा
प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रथात् 'चक्र अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकारात्मकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजास मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वेंप्लोट सं० 143 खाता सं० 7 तौजी
सं० 5170 थाना सं० 22 है तथा जो पटना-I में स्थित है
(और इससे उपावधि अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीर्ना अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर
1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य इसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती
(बंतरितियों) के द्वीप ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बन्दूष वे हुए किसी बाय की बाबत उक्त अन्तरण
नियम वे अधीन कर दने के बन्दरक के दायित्व में
किसी करने वा उड़ाने वाले में सुविधा के लिए;
बाहुदौषिण्यक

(ख) दंसी किसी बाय वा किसी भूमि वा अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा एवं
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा वा किसी बाय का आयुक्त वा, विषावे वे सुविधा
वे लिए:

मत बत, उक्त अधिनियम की धारा 269-व व बन्दूष
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभादा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधिति :—

4—GI/86

(1) श्रीमत्रा देव

निवासी—दगरथा थाना फुलबारी शरीफ
जिला—पटना।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स विसरस सहकारी गृह निर्माण

समिति निं० श्री कृष्णपुरी
पटना—13।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त गम्भीर के बर्बाद के बिए
कार्यकालिया करता है।

उक्त उम्मति के बर्बाद के बम्बन्ध वे कोइ भी बालोंपै—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविकल्पों पर सूचना
वी तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
वाले द्वारा होती है, वै भी उक्त पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी अविकल्प द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
द्वारा किसी वन्य अविकल्प द्वारा, अभोहस्ताशुद्धी के पास
निवासित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रमित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृगसूची

जमीन जिसका रकमा 4 कट्टा 2 धुर और 8 धुरकी है तथा
जो जिला पटना में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण विसिका
सं०—I—15821 दिनांक नवम्बर 85 में वर्णित है और जिसका
निवासित रजिस्ट्रार औफ एंप्लोरेम कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न
हुआ है।

दुर्गा प्रसाद

मक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी हायक आयकर आयुक्त
अर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

दिनांक : 14-7-1986

मोहर :

प्रस्तुत बाईं टी.एन.एस.-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायाचिय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

अर्जन परिक्षेत्र विहार पटना

पटना दिनांक 14 जुलाई 1986

निदेश सं० III/330/अर्जन/86-87—प्रतः भुजे

दुर्गा प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पद्धति 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के
अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थानीय संघित जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० तौली 5406 थाना सं० 21 खाला सं०

437 सर्वे प्लॉट सं० 1628 है तथा जो पटना में स्थित है (और
इससे उपावह अनुप्रवी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के नायात्रिय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर

1985

को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए उन्नतिरत की गई है और भुजे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उम्मेद दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
मिहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कौंधित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायिक
में कमी करने या उससे बचने में तुलिभा के लिए;
जारी/था

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आस्तिकों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
फे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, जिसने में सूचित
हो निए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, सूचना अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तीतः :—

(1) श्रीमती सुमित्रा देवी

निवासी—दानापुर ओदिशा

माह टोली थाना वा पो० दानापुर तिना पटना।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स जनकपुरी महाकारी गृह निर्माण

समिति लिं० पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित के लिए
कार्यकारी हाई बूर्झ करता है।

उक्त सूचना के उचित के संबंध में कोई भी वास्तव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद वे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य विकल द्वारा अधोहस्तराकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रदूषक सब्जों और पद्धों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 54 डिममल है तथा जो जिला पटना
में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण विविध संज्ञा।—16310
दिनांक नवम्बर 85 में वर्णित है और जिसका निवन्धन रजिस्ट्रार
ओ.; एंथोरेंस कलकत्ता के हारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद

मक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी गहायक आयकर आयुक्त

अर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना

दिनांक : 14-7-1986

मोहर :

प्रकल्प भाष्ट. द्वौ. एन. पट्टा. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-III बिहार पटना

पटना दिनांक 14 जुलाई 1986

निदेश मं० /अर्जन/86-87—अतः मुझे दुर्गा प्रसाद
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिशान करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी मं० तोड़ी 5406 थाना मं० 21 खाता सं०
449 खसरा 1625 है तथा जो पटना में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुमूल्य में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर
1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए असंतरक की गई है और मुझे यह दिशान
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल के पूर्वोक्त
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों)
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
है में अधिन नहीं किया गया है ।—

(क) अंतरण से हुए किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभाग (1)
है अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

(1) श्री देव शरण महतो
निवासी—ग्राम नया टोला
सगुना थाना पो० दानापुर जिला पटना
(अन्तरक)
(2) मेसर्स जनकपुरी सहकारी गृह निर्माण समिति
लि० पटना ।
(अन्तरिती)

के मह सूचना आदी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्बन के संबंध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबूझ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिद्धि में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
चरा है।

अनुमूल्य

जमीन जिसका रकबा 75 डिमल है तथा जो जिला
पटना में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण वर्तीका संख्या
16311 दिनांक नवम्बर 85 में वर्णित है और जिसका निबन्धन
रजिस्ट्रार औफ एंश्योरेंस कलकत्ता के द्वारा सम्पत्तश हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
ग्राम प्राधिकारी
सहाय रु आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, बिहार, पटना

तारीख : 14-7-1986
मोहर

उक्त विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन बचना

ज्ञातव्य वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई, 1986

निदेश सं. III/332/अजंत/86-87—अतः मुझे दुर्गा
प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की धारा
269-ग के अधीन, सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट सं. 83 खाता सं. 188 तौजी सं
5292 थाना सं. 23 है तथा जो पटना में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1985
का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्राप्तिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्राप्तिफल से, ऐसे इस्यमान प्राप्तिफल के पंद्रह
बड़े प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्राप्तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
प्रस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ब) उक्त तंत्र है किसी वाय की वायत, उक्त
अधिनियम वे वर्ती वर दर्ते ही उक्तरक वै
दार्शन वै वायी वायते वा उक्त उक्त वै सविधा
के लिए; और/या

(ब) दर्ती वायी वाय वा किसी भव वा बव वास्तवों
को, जिन्हे भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम वा
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना असिहए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उपभाय (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) पनछी लाल राय निवासी सानुना नया टोला थान।
दानापुर जिला पटना।

(अन्तरक)

(2) मेतर्स बहुण सहकारी गृह निमाण समिति लिंग, राजा
बजार, पटना-14

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राबपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों वै से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राबपत्र में प्रकाशन की तारीख वै
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों वौर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में एवं अधिनियम
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ज्ञातव्य

जमीन जिमका रब्बा 5 कट्टा है। तथा जो पटना में स्थित
है। एवं पूर्ण रूप से वासिका सं. T 15959 दिनांक नवम्बर
85 में वर्णित है। और जिसका निबन्ध रजिस्ट्रार आफ एसु रेन्सेज
कलकत्ता के हारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार पटना

दिनांक : 14-7-1986

मोहर :

राजपत्र भारतीय संसद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
भारा 269-क (1) के अधीन सूचना

भारत उत्तराखण्ड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (फिलेफल)
अर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 15 जुलाई 86

निवेश सं० III/333/अर्जन 86—87

अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-क के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड सं० 2 सक्किल सं० 6 शीट नं० 20
प्लाट सं० 107 तौजी सं० 573 होलिङ सं० 417/306 है
तथा जो 417/306 (ए) 417/306(बी) 417/306(सी)
न्यू डाक बंगला रोड पटना में स्थित है (आंग इसमें उपलब्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 9—11—1985

को प्रवृत्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवृत्ति संघीत का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्षमतान प्रतिफल का
पञ्चव प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्त-
प्रियी (अन्तप्रियी) के बीच ऐसे क्षमताएँ के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल लालीमलिखित उद्देश्य से उच्च अन्तरक लिखित भू-
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक सं हुई किसी आय की वादत, उच्च
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) दौसी किसी आय या किसी अन्य आस्तियों
को जिन्हे भास्तीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रथोजनाथ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विलोक नाथ पै० स्व० सोहन लाल
मो० पू०-55 पंचानी पार्क न्यू दिल्ली-17
(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश चिरानिया पै० स्व० राम प्रसाद
चिरानिया, मो० 24 ब्राटाला स्ट्रीट कलकत्ता-7
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सूचना के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तव

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क वै परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनसुची

जमीन मध्य मकान जिसका रकमा 2 कट्टा 9 धूर 3 3/4
धुरकी है तथा जो मोहल्ला न्यू डाक बंगला रोड पटना में स्थित
है एवं जो पूर्ण रूप से विमिका मं० 7581 दिनांक 9—1111-
85 में वर्णित है तथा जिसका विवंधक जिला अवर निवंध
पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, विहार पटना

दिनांक : 15-7-1986

माहूर ३

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, विहार पटना

पटना, दिनांक 15 जुलाई 1986

निदेशक सं० ॥॥/334/अर्जन/86-87—अतः मुझे

दुर्गा प्राप्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विलेख इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसका बाड़ी नं० 2 मालिल नं० 6, शीट नं० 20 प्लौट सं० 107 तौजी सं० 573 होर्टिंग सं० 417/306 417/306(ए) 417/306(बी) 417/306(सी) है तथा जो न्यू डाक बंगला रोड पटना में स्थित है (और इससे उपालब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-11-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दाशय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी अस्थि की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दिने की अन्तरक व्यापारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-दर अधिनियम, 1957 (1957 का 77) के अन्तरक व्यापारित्व में उत्तम व्यापार या या किसी जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा⁽¹⁾ के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डा० दी नरायण लाल पे० स्व. श्री सोहन लाल मो० एन-34 ए, ग्रेटर कैलाश न्यू देहली —48। (अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण कुमार चिरोनियां पे० राम द्रसाद चिरोनियां मो० 133 कनिंग स्ट्रीट कलकत्ता । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के ५० पारमाण्डि हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मध्य मकान जिसका रकब। कट्टा 9 धुर 3 3/4 धुरकी है तथा जो मोहल्ला न्यू डाक बंगला रोड पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से वसिका सं० 7585 दिनांक 9-11-85 में वर्णित है तथा जिसका निवंधक जिला अवर निवंधक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन परिक्षेत्र, विहार पटना

दिनांक 15-7-86
मोहर :

प्रसूत बाईँ. टी. पट. एवं ४८०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत भवन

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, पटना

पटना, दिनांक 15 जुलाई 1986

निदेशक सं. III/335/अर्जन/86-87—अतः मुझे, दुर्गा
प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की भारा
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
आश्रण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. वार्ड सं. 2, सक्किल सं. 6 है तथा जो शीट
सं. 20 प्लाट सं. 107 तौजी सं. 573 होल्डिंग सं. 417/
306, 417/306(ए), 417/306(बी), 417/306(सी),
न्यू डाक बंगला रोड पटना-1 में स्थित है (और इससे उपावद
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 9-11-85

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्रित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का
इन्हीं प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बनारण
विवित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) बनारण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दरने के बनारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों का, जिसका आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रतिक्रिया दरना या दरना नहीं किया गया था,
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जोगेन्द्र पाथ कोहली पै. स्व० सोहन लाल
मो० अश्वपूर्णा पी० जे० रामचन्द्र रोड,
बम्बई-490039

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार चिरान्नियां
पै० स्व० राम प्रसाद चिरान्नियां, मो० 24, वाटाला
स्ट्रीट कलकत्ता--7

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के मम्बन्ध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की ताबील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हत्या-
बहूद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही बर्थ होता है तथा अध्याय में विद्या
गया है।

मन्त्री

जमीन मय मकान जिसका रकबा 2 कट्टा, 9 धूर 4 3/4
धूरकी है तथा जो महतला न्यू डाक बंगला रोड, पटना में स्थित
है एवं जो पूर्णरूप से विधिका सं. 7586 दिनांक 9-11-85
में वर्णित है तथा जिसका निवंधन जिला अवार निवंधक पटना
के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना

दिनांक : 15-7-86
मोहर :

प्रस्तुप बाह्य टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-प (1) के अधीन दूखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाजार (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 15 जुलाई 1986

निदेशक सं. III/336/अर्जन/86-87—अतः मुझे, दुर्गा
प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सभीम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. वार्ड सं. 2, सफिल सं. 6, शीट सं. 20,
प्लाट सं. 107 तोजी मं. 573 होलिंडग सं. 417/306,
417/306 (ए), 417/306(बी), 417/306(सी) है,
तथा जो न्यू डाक बंगला रोड, पटना में स्थित है (और इसमें
उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीशन
अधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9-11-1985

मैं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से अधिमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इधरमान प्रतिफल से, ऐसे अधिमान प्रतिफल का
पन्दह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
है वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जाता है :—

(क) अन्तरण से हूँ अक्सी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती बायाय प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में दुष्किधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपग्रह (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जगदीश नारायण कोहली, पै. स्व० सोहननाल
मौ. डी० 11, अन्तर बिहार, दिल्ली-92
(अन्तरक)

(2) श्री शाम मुन्दर निरीक्षण यौ. स्व० गम प्रसाद
चिरांगियां,
मौ. 133, कनिंग स्ट्रीट, कलकत्ता।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आदी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी आशेष ;—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

मनुष्य

जमीन मव मरान जिनका रक्ता 2 कट्टा 9 धूर 4 3/4
धूरकी है तथा जो मोहल्ला न्यू डाक बंगला रोड, पटना में स्थित
है एवं जो पूर्ण रूप से वसिका सं. 7588 दिनांक 9-11-85
में वर्णित है तथा जिनका निवास जिना अव० निवासन पटना
के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

दुर्गा प्रसाद
मकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 15-7-1986

मोहर :

प्रकल्प संख्या ८१, टी.एन.एस. ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयकर नियंत्रण
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता हिनोंक 16 जुलाई 1986

निर्देश सं० ए० सी० ३७/शार-११कल/८६/८७:—यतः मुझे
शेष नईमुद्दीन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-वे अधीन संबंध प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
भारत है कि स्थानीय सम्पत्ति, विसका उचित बायाइ भूत्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 8 है तथा जो राजा सन्तोष रोड
कलकत्ता-२९ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पुर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
संबंध प्राधिकारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908

(1908 का 16) के अधीन तारीख 29-11-85
है बौद्धिक सम्पत्ति के उचित बायाइ भूत्य से कम के व्यवास
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बायाइ
भूत्य, उसके व्यवास प्रतिफल से ऐसे व्यवास प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरीक्ती (अन्तरीक्तियों) के बीच के ऐसे व्यवरण के लिए उम्मीद
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
विवरण हैं कभी करने या उससे बचने में सविधा
नहीं हिला; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या इक्सो भने या अन्य आस्तीनों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवृत्तावार्य अन्तरिक्त द्वारा प्रकट गई किया था
या या किया जाना आविष्कार था, छिपाने में वैधभा-
ष्य निष्ठ।

यतः यथा, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अन्तरण
में, ये, उक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
5-186 GI/86

1. श्री रेनकस कमरियल लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. पियुश भारतीय एवं श्रीमती आरात भारतीया

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के बच्चे वे दंडन में कोई भी वाक्यः—

(म) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों द्वारा
दूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, यो वै-
व्यवधारण के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(न) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय संपत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरणी ये वाक्य
निवित में किए जा सकेंगे।

व्यवधारणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के व्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस व्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

8 राजा सन्तोष रोड कलकत्ता में अव्यवस्थित तीसरा
तला में 224 वर्ग फिट आयतन का प्लाट संख्या 3 वि-
जो संबंध प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II कलकत्ता के पास नं० 27ई/113/85-86
के अनुसार 29-11-85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

गोख नईमुद्दीन
संबंध प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीखः 16-7-1986

मोहर :

प्रस्तुत बाईं टी. एस. एवं श्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत वारपार

अर्बाजिय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 16 जुलाई 1986

निवेद्य सं० 3343/ए० सी० एक्यू/आर-III/कलक/86-87:-

यतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसकोपश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या आई० ए० ए७ आई० बी० है तथा जो
बेलतला रोड कलकत्ता में स्थित है और इससे उपावद
अनुमूली में और पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) अधीन तारीख 5-12-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रख्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रख्यमान प्रतिफल से, ऐसे रख्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ
पांच गण प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ॥

(क) अन्तरण से हूँहै किसी बाय की अवत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायिल में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती दिवारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् ॥

1. श्री कालि पद बोस एवं अन्य।

(अन्तरक) ॥

3. लक्ष्मी प्रसीदारस।

(अमरसिंही)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैत के लिए
कार्यपालियाँ करता है ॥

उक्त सम्पत्ति के अवैत के संबंध में कोई बास्ते ?—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सारील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
गया है ॥

है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित

अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभरी के पास लिखित में
स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
से किए जा सकेंगे।

अनुसूची

लाइ 5 काठा 14 छठांए५ वर्ग फुट प्रेमिसेस नम्बर
आई० ए० ए७ आई० बी० बेलतला रोड कलकत्ता सक्षम
प्राधिकारी के पास 5-12-85 तारीख है रजिस्टड हुआ।

शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III कलकत्ता-16

तारीख: 16-7-1986

मोहर:

प्रारूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 16 जुलाई 1986

निवेश सं० 2344/ए० सी० एक्यू आर-III/कल/86-87:--
यतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी संख्या 11 ए है तथा जो पाम एमेनिझ कलकत्ता
में स्थित है और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकार के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 29-11-1985।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एंसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तारती (अन्तरितियों) के बीच एंस अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
तिवित में बास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की, बायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) एंसी युक्ती आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
कीलए;

1. को० न० प्रापरटीज प्राइवेट लिमिटेड।
(अन्तरक)
2. श्री सुशीला फतेपुरिया फाइडेशन।
(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के हावें वे कोई भी वाले

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा,
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्रवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए गए सकंगे;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है:

अनुसूची

प्लाट नम्बर 2 डी निम्नलिखा 1800 वर्ग कुट्रिमिलोम
नम्बर 11 पास एमेनिझ कलकत्ता 19 अक्टूबर प्राप्रिमिला
के पाता 20-11-85 तारीख में रजिस्टर्ड हुआ।श्री नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, कलकत्ताअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की प्रभारा (1)
के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, जोनाम: 16-7-1986
मोहर

प्रस्तुप थाई.टी.एन.एस.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 16 जुलाई 1986

निवेश सं. 2345/ए० सी० एक्यू आर III/कल/86-87:-
यतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसी मध्या 11 ए है तथा जो पार्श्व ऐमेन्ट उक्त कलकत्ता
में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी
में रजिस्ट्रीर्टा अधिनियम 1908 (1908 का 16)
अधीन तारीख 29-11-1985को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरिक्त की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिक्ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
शास्त्राधिक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

1. के० नं० प्रापर्टीज प्राइवेट लि० (अन्तरक)
2. सुशीला फतेपुरिया फाइडेशन। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करला हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के बायित्य
में कपी करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए;
बाई/या

अनुसूची

(क) अंतरण से हुई किसी बाय या बायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के बायित्य
में कपी करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए;(ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आवकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्राप्त नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

प्लाट नम्बर 1 डी वा तदा 1800 वर्ग फुट प्रेमिसेम
नवम्बर 11 ए पाम एमेनिट कलकत्ता-19 सक्षम प्राधिकारी
को पास 29-11-85 तारीख में रजिस्टर्ड हुआ।

शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III कलकत्ता

सत् ॥ बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, ।, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपाया (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा ।,—

तारीख: 16-7-1986
मोहर:

प्रस्तुत बाईं दी. एक - इड उ-----

1 मे० के० एन० प्रापर्टीज प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन दृष्टना

2 मे० अन्नापुणी फोटोप्रिया चेरिटेबल ट्रस्ट।

(अन्तरिती)

मारत बालका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 जूलाई 1986

निदेश सं० 2346/पक्यु आ०००-III/क०/86-87:-
यत मुझे, शेख नर्सुदीन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्हें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सभी आधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार गला 1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या 11 पे है तथा जो पास एवेन्यु, कलकत्ता में स्थित है (और इसी उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के हायाली संक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1968 (1968 का 16) के अधीन तारीख 29-11-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह दृष्टना आठी कहुके पूर्वोक्त संपत्ति की वर्तन के विषय कार्यालयीय भरता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्तन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप 3—

(क) इस दृष्टना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सप्ताहान्तरी अविकल्पों पर संपत्ति की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकल्पों में से किसी अविक्त दृष्टारा;

(घ) इस दृष्टना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख त्रै 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बहु किसी अन्य अविक्त दृष्टारा अधोहस्ताकरी के पास सिवित में किए जा सकेने।

लक्षणीयता:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वही का, जो अधिनियम की अध्याय 20-के परिणामित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण ये हैं किसी धारा की वापसी, उक्त संपत्तिनियम के अधीन कर देने के बनाए के उद्दिष्ट वे क्षमी वार्ते या उसके वर्तन में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(घ) एही किसी धारा या किसी अन्य अधिनियमों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती दृष्टारा प्रकल्प नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में शूदिता की लिए;

फलों नम्बर 'ए' 2000 वर्ग फुट, ब्रेमिंस नम्बर 11 प, पास एवेन्यु, कलकत्ता-19 संक्षम प्राधिकारी, को पास 29-11-85 तारीख में रजिस्टर्ड हुआ।

गोप्य नर्सुदीन,
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)
अर्जन रेज-III, कलकत्ता

वराः धरा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की अनुसारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविकल्पों, वर्तन त्रै—

तारीख : 16-7-1986

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

दागपत्र सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 जुलाई 1986

सं० 2347/एक्यू० आर०— /कल०/86-87:— यतः
मुझे, शेख नईमुद्दीन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 2/6 है तथा जो सरत बोस रोड,
कलकत्ता में स्थित है (आंग इससे उपाधि अनुसूची में आंग,
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के दायालय
सक्षम प्राधिकारी, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तरीख 29-11-85

की पूर्णोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके अधिमान प्रतिफल से एसे अधिमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरार्तिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय दाना यथा
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब जौ बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक वा
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में दुर्बिधा
की दिलाई दीर्घ/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य गाँसों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के मुश्यमान
अन्तरिती इवांग प्रकट नहीं किया यथा या या किया
बाया जानीए था, जिसने में सूचिता नहीं दिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण
में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभाषा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमाने, जर्जन १—

1 लॉसडाउन प्रापरटोज लिमिटेड ।

(अन्तरक)

2 भायरिलाल सानई एवं अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त प्रमाणित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाकोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब या समाप्त होती है, के भीतर पूर्णोक्त
व्यक्तियों ये से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास सिद्धित में किए जा रहें।

लाप्तीकरणः—इसमें प्रयुक्त कहदों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यथा
है।

लग्नसूची

संपर्क नम्बर-6, छटा लल्ला, 1757 वर्ग फुट, प्रेमिसेस
नम्बर-2/6 सरत बोस रोड, कलकत्ता सक्षम प्राधिकारी
के पास 29-11-85 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

शेख नईमुद्दीन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख : 16-7-1986

मोदूरः

प्रख्याप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 जून 1986

निदेश सं० 2348/एक्यू० आर० III/कल०/86-87:—यह:

यह: मुझे, शेख नईमुहीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 2/6 है तथा जो सरत बोध रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपादान अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-11-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसपाल प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इसपाल प्रतिफल से, ऐसे इसपाल श्रीतकत के बद्दल प्रतिक्रिया से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितीय) के बीच ऐसे अंतरण के लिए हय पाया जाया श्रीतकत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विविह भौतिक रूप से कथित नहीं किया जाया है:—

(अ) अंतरण से हट्टे किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी बाब वा किसी भन वा बन वा बन वालिकर्ता वा, जिन्हें बास्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वा प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया वा किया जाना चाहिए वा, जिसने भौतिक व्यक्तियों

शेख नईमुहीन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़-III, कलकत्ता

बदल: शेख, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसार
मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उक्ताय (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तात:—

1 मैं० लांसडाउन प्रापरटीज लिमिटेड।

(अन्तरक)

2 मैं० प्रियियार (ईस्टर्न) इण्डिया प्रा० लिमिटेड;
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए वार्ताहीयां बुल करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्तम वर्तम में कोई भी बाबते हैं—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वावधि व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धि किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिपित में किए जा सकें।

व्यक्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का जां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्त्त होगा, जो उक्त अध्याय में दिया जाया है।

ल्पेस नम्बर 8, चार तला 1458 वर्ग फुट 2/6, सरत बोस रोड, कलकत्ता, सक्षम प्राधिकारी, को पास 29-11-85 तारीख में रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 16-7-1986
मोहर:

प्रस्तुत जारी है। [प. १३. ५४. -----]

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

विवरण

कार्यालय, सहायक आयकर बाबूल (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिमांक 16 जुलाई, 1986

सं० 2349/ए० सौ० क्य० आर-III/कल/86-87:—

यह मुझे, शेख नईमुदीन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संचालित विकल्प उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

श्रीर चित्रकी मंडपा 20 है जो राजेन्द्र मुखर्जी रोड कलकत्ता
में स्थित है श्रीर दृगमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्टीर्टी अधिकारी के कार्यालय में
रजिस्टीररण अधिनियम, 1908 (1908 का 15) के
अधीन, तारीख 16 नवम्बर 1985।

क्रम पूर्वोक्त संचालित के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथोपर्वोक्त संभीत का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती
(बन्तारितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
कृत निम्नलिखित उद्देश्य से दक्षत अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कर्त्तव्य नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत उक्त उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) और
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या
या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा
के लिए;

मृत्यु

छठा नंबरा बाड़ी, जमीन 7 छाठा 9 छठां 5 41 वर्ग
फुट, जमीन 7 छाठा प्रेमिनेस नम्बर 20 राजेन्द्र नाथ
मुखर्जी रोड, कलकत्ता एम० आर० ए० कलकत्ता में रजिस्टीकरण
हुआ।

दलील संख्या I-16034

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, दूर्लभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-प को उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिकों अर्थात् —

1 श्री पुरुषोत्तम लिरे राधा।

(अन्तरक)

2 पल्लोबी रिसोर्सिस लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कार्य श्री बाबूल —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है,
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
जाता है।

शेख नईमुदीन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 16-7-1986

मोहर :

प्रृष्ठ बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) में अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-3 कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 16 जुलाई 1986

निदेश मं० ए० सी०रिंज-111/कलकत्ता/1986-87--
अतः मुझे जेब नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पदबात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 15/डी० है तथा जो द्विवित्तान पार्क
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में
अौः पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सं० ए कलकत्ता रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-11-85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :- -

(1) श्री सुभाष चन्द्र एवं अन्य

(अन्तरक)

(2) नलिनि मोहन चक्रवर्ती एवं अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में क्लैंच भी आवश्यक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदृश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लाइसेन्स:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण ने हूँ किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तर्क के
दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रदृष्ट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

दत्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :—

6-186 GI/86

जेब नईमुद्दीन
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1 कलकत्ता

तारीख : 16-7-1986

मोहर :

प्रकाशन नं. ८०१. दौ. एव. एड. २०८६-८७

(1) श्री लासडाईन प्रापरटीज लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मेनिस कमार्शीयालम प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन [रेज. III] कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 जुलाई 1986

निदेश सं. 2351/अधिक आर-III/कलकत्ता/86-87--

अतः मुझे शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पहला 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 2/6 है तथा जो सरन बोम रोड कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपावर्द्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सक्षम प्राधिकारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (16
1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-11-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि दृश्यावृक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया जाया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
प्रतिवक्त रूप में वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण स हुइ किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मूलिधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, 'जन्म' भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम द्वा
रा नक्कल कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अंतर्गत अन्तरिती द्वारा रक्ट नहों दिया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान
तृष्णा के लिए;

स्पेस नम्बर 122 आठ तरंगा 2087 वर्ग फुट
प्रेसिन नम्बर 2/6 सरन बोम रोड कानून सक्षम
प्राधिकारी के ॥ ॥ 29-11-85 तारित्र में रजिस्ट्रीकरण
हुआ।

शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज. III, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधान (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—

दिनांक :— 16-7-86

मोहर :—

प्रकृष्ट बाल, डॉ. एन. एच. -----

(1) श्री मदगुल उद्देश।

(अन्तराक्)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के बारीन सूचना

(2) हिन्दुस्तान लिथार लिमिटेड।

(अन्तर्राष्ट्री)

भारत बाराह

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 जूलाई 1986

* निवेदित सं. १० सी०/रेज-III/ कलकत्ता/1986-97-
आ०: मुझे, गोख नहेंमुद्दित।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सफ्टम प्रौद्योगिकी को यह विप्रवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

गोख जि. की सं० १९ है जो बलियागंज मार्कुलर
रोड, कलकत्ता में स्थित है (गोख इनमें उपादान अनुभुवी
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), जिसमें तत्त्व अधिकारी
के कार्यालय सं० ५, कलकत्ता में रजिस्ट्रीज़रेण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-11-85

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिफल के तिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, एसे दूष्यमान प्रतिफल का
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरीती (अंतरिताओं) के बीच एसे अंतरण के निए तय नहीं
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निर्धारित
में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है ॥

मैं यह सूचना भारी अपेक्षा पूर्वोक्त सम्पत्ति के बारे में
तिए कार्यवाहीया कहुता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के संबंध में कांह भी बालेप :—

(क) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख उ
45 दिन की वर्धित वा उत्तमन्यी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की वर्धित, वा भी
वर्धित वार में बदाय होती हो, के भीतर पूर्णक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया;

(द) इह सूचना तो राजपत्र में प्रकाशन की तारीख उ
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वाया व्यापार व्यापारी के पाय
निवित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के व्याय 20-के में परिभाषित हैं,
वही शब्द हुएगा जो उस व्याय में दिया
गया है॥

(ए) अन्वरण से हुए किसी वाय की वायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अवलम्बन के
साथित्व में कसी करने या उससे बचने में हृदिया
है तिए; बोल/वा

(घ) पेसी किसी वाय या किसी भन या वाय बास्तवों
को अन्वरण भारतीय बाब-कर अधिविवध 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्वरिती द्वाया प्रकट नहीं किया
गया था या या या द्वाया लाइसेंस, जिसमें से
स्विभा के दिए;

फ्लैट्संग २ बी० फिल्म १९०० फुट ब्रेसिमेंग
नै० १९ बलियागंज मार्कुल रोड, कलकत्ता में स्थित भ०
ए, के पास २२-११-८५ नाशिव में रजिस्ट्रीकरण हुए।

गोख नहेंमुद्दित;
सफ्टम प्रौद्योगिकी;
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कलकत्ता

नोट: वाय, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
है अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात ॥

दिनांक: 17-7-86
माहर।

एस्ट्री ब्राइट ट्री प्रॉप्रेटर्स

(1) श्री पुष्पोत्तम लीरा राजा

(अन्तरक)

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) पालोंडी रिसोर्सेस लिमिटेड

(अन्तरीक्षी)

लाल लक्ष्मण

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 जुलाई 1986

पिंडा मं० १०/रेख-III/कलकत्ता/1986-87--

आ०: मुझे, गेहूँ भईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

आ०: जिनकी सं० 20 है जो राजेन्द्र नाथ मुखर्जी
रोड, कलकत्ता में विथन है (प्रीर इसमें उपाधि अनुभुवी
में और पुर्ण रुप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय सं० ५, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-11-85
को पूर्योग्य सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम हो इयमान
प्रतिफल के निए अंतरित की गई है और मूल्य यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पृष्ठ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है —

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाइंग में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु
विद्वी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्जेक्ट और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(ए) अन्तरण से हूँ दिसी जाय की बाय के बायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्य में कभी करने या उससे बचने में गविया
के लिए; और/वा

(इ) इसी दिसी जाय का दिसी बन वा अन्य आदित्यों
ना, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट भर्ती किया जाय
वा या किया जाना पाहें था, छिपाने से सुनिश्चि
क है;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में वै, उक्त अधिनियम की धारा-269-व की उपाधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

महापत्री

छत्तेला बाड़ी भूमि 7 गढ़ा 9 छटाक 41 धर्म फुट
प्रेमिकेस नम्बर 20 राजेन्द्र नाथ मुखर्जी रोड, कलकत्ता
सं० २०, कलकत्ता के पास 16-11-85 तारीख से
रजिस्ट्रीकरण हुआ

दिनांक सं०—————-1-16036

गेहूँ भईमुद्दीन
नक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता

दिनांक: 16-7-86

मोहर :

प्रस्तुत आर्ट.टी.एन.एस.-----

(1) श्री मती कमला बाला मुस्ताफी एवं अन्य^(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री कानोय अद्दर्म प्राइवेट लिमिटेड
(अन्तरिती)

भारत सरकार

वो यह सूचना बारी करके प्रवोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए^{प्रार्थनाएँ} करता है।कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 जुलाई 1986

निदेः मं० १० मी०/रेंज-III/कलकत्ता/1986-87--

यह मुझे गोख नईमदीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 102 है जो बलियन प्रैस
ट्रस्ट कलकत्ता में स्थित है (आंश इसमें उपाध्यक्ष अनुसन्धि
में श्री पूर्ण सुप में वर्णित है) रजिस्ट्रीर्टा
अधिकारी के हार्यालय सं० ११, कलकत्ता में रजिस्ट्रीर्टा
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
23-11-85.को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अंतरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
पद्धति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल विनालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण स है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन वार नेत्र के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आंसूतया
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।बत. अर्प, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रवृत्ति
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त रथवर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताथारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टोदरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 8 ठाठा 14 छटाक 9 वर्ग फट 1 प्रेमिंगल
नम्बर 10-ए वालिंग्स प्रैस इस्ट कलकत्ता सं० ११, कलकत्ता
के पास 23-11-85 नम्बर में रजिस्ट्रीर्टा हुआ :

दस्तिल संख्या-1-16275

गोख नईमदीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण
अर्जन रेंज, कलकत्ता

प्रकृष्ट बाई^१.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए {1} के अधीन सूचना

नायक संसद

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 जुलाई 1986

फिरोज़ नं. १० सी. १० ९७ए४८१०२/८६-८७/क्रमांक १२२७/
आई०ए०सी०/एक्यू०आर-१/कल०अतः मुझे शेख नईमुद्दीन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

ओर फिरोज़ नं. ११३ द्वा जो पार्क स्ट्रीट कलकत्ता-१६
में स्थित है (ओर इसमें उपावद्व अनुभुती में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सक्षम प्राधिकारी आई०ए० सी० अर्जन रेंज-१
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक १-११-८५

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुझे वह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरक) और बंतरिती
(ब्रन्टरार्टिटो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य वे उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तित्व दृष्टि का कारण नहीं किया गया है।

{1} अन्तर्गत वे हृदृष्टि काय की ताबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वे
दृश्यमान कमी करने वा उससे बचने में सहित
के लिए; और/वा

{2} ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
लर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रशांजनर्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
संविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की 269-ए की उपधार्य (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अस्ति :—

(1) ओम प्रगति कुमार एवं आर्य प्रोजेक्टस
लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) लासेन सविसेस एण्ड ड्रेफिंग कम्पनी लिमिटेड
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाहर में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितयद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाए
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वदोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ता
अधिनियम के अध्याय 20-के में पर्याप्तिश्च
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दरा
करा है।

अनुसूची

113 पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित मकान का 10वां
तला में 2314 वर्ग फिट आयतन का यूनिट सख्ता 4 जो
सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 कलकत्ता के पास सिरियल नं. सी. ए.
97 एवं 102 के अनुसार 2-11-85 में रजिस्ट्री हुआ

शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता

दिनांक : 16-7-1986

मोहर :

प्रखण्ड आई. टी. एन. एस.-----

(1) समिक्षक कृतियोग लिमिटेड।

(अन्तर्भुक्त)

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) पोलर हड्डीज़ लिमिटेड।

(अन्तर्भुक्त)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 जुलाई 1986

निर्देश मं० सी० ग० 98 और 99/1986-87 क्रमांक 1228/
आई० ए० सी०/एक्य० आर-1/कल० अंतः मुझे, शेख नईमुद्दीन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 113 है तथा ओर्डर स्ट्रीट, कलकत्ता-
16 में स्थित है (ओर उसमें उपाधि अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय
सक्रम प्राधिकारी आई० ए० सी०-1 अर्जन रेज, कलकत्ता
में रजिस्ट्रीहरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन।
दिनांक 8-11-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छव्वाल
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छव्वाल प्रतिफल से होसे छव्वाल प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिकाल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अल्लारितियों) के बीच होसे अन्तरण के सिए तथा पात्र गया
प्रतिफल निम्नसिद्धि उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में
प्रास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ।—

को यह सूचना जारी करके प्रबोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होता है, के भीतर प्रबोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताभारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख हब्बों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में दरिभाषित
हैं, वही कथ होंगा ओ उस अध्याय में लिया
गया है।

अनुसूची

(अ) अन्तरण से होई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छक्कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

113 ओर्डर स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित माला "पोहार
प्लाइट" 8 ज्ञ नला में 3500 वर्ग फीट भायतम कार्यालय नं०
सी० एवं जार चाइज स्पेस जो सक्रम प्राधिकारी (सहायक
आयकर अयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 कलकत्ता के
पास मिरियल नं० सी० ग०, 98 और 99 के अनुसार 8-11-85
में रजिस्ट्री हुआ।

ओर्डर नईमुद्दीन
सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण)
सक्रम प्राधिकारी
अर्जन रेज-1, कलकत्ता

अत ठब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपाधान नं०(1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, छापा है—

दिनांक : 10-7-1986
मोहर :

प्रकाश बाहुदारी के प्रभाव पर
शायकीय जीवनियम 1961 (1961 का 43) की
परिवर्तन 269-ए (1) के अधीन सूचना:

二〇〇〇

कार्यलिय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेझ-] कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 जुलाई 1986

मिदेश सं० सी० १००-१०१/८६-८७/क्रमांक १२२९/आई०
 प० सी०/एक्य०आर-१/कलकत्ता अतः मुख्य शेख नईमुहीन
 गणराज्य अधिनियम, 1961 (१९६१ अ १३) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
 269-के अधीन सकार प्राधिकारी को यह विषयास करने
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 १,००,०००/- रु. से अधिक है

ओं जिसकी मा० 113 है तथा जो पार्क स्ट्रीट कलहत्ता-16
में भिष्म है (अंड इनमे उत्तरवाह लन्सुची में आश पूर्ण रूप
में वर्णित है), एस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालयमें मध्यम प्राधिकारी
आर्च० गा० सी० रज० रेज०-1 कलहत्ता में रजिस्ट्रीकरण
अधिकारम 1908 (1908 का 16) के लघीन दिनांक
8-11-85

को पूर्वीकृत मानविता के उचित बाजार भूल्य से बज्जे के दस्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वाय करने का कारण है कि यथोपूर्वीकृत सम्पर्क का उचित बाजार भूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्हाह प्रांतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया जाया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित दो प्रामाणिक गति से कठिन नहीं किया जाया है :—

(+) ग्रन्तराज से हुए किसी धाय की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तराल के दौरान में कभी कहाँ छापे या छापहो बनवे नहीं पाए जाएँ, और/या

११) पासी किसी आय या किती धन या जन्य आमेल्यांचे
को, जिन्हे भारतीय आवकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उसा अधिनियम या अ-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किस बाबा चाहिए या, जिणावे ने
अंदुषा के लिए;

अतः वब, उम्म अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

की यह भूमिका आरी करके पूर्वोक्त मम्मिलि के अर्जन वे नियंत्रण कार्यकारी हैं करता है।

उक्त सम्पर्क के अंतर्गत के सम्बन्ध पर कोई भी आडेय ...

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में सुधारत होती है, के भीतर पूर्णतः व्यक्तियों वाँ 2 दिन की अवधि न रहा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्क में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित हो किए जा सकेंगे।

स्वास्थ्यक्रिया :— इसके प्रयोग करने और पदों का जो उपचार अधिनियम के अध्याय 20-के भें परिचित है, वही लार्ड हार्टोग जो उस अध्याय के द्वारा गया है।

अन्तर्गत

"पोद्वार पान्हट, 113 पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित
मकान एवं 8 तत्त्वां में 3500 वर्ग फीट आयधन का यूनिट
नं० सी० ३४ रार गाँग स्पेस जो नक्षम प्राधिकारी (सहायक
आयहर आयुक्त तिरीक्षण) अर्जन रेंज 1 कलकत्ता के पास
पिपिल नं० सी० ३० 100-101 के अनुसार 8-11-85
नारीब में रजिस्ट्री हआ।

শোক নষ্টিমুদ্দীন
শাথম প্রাধিকারী
মহায় ৫ অক্ষয় প্রাতুক : (নিরীক্ষণ)
অর্জন রেংজ, কলকাতা

मध्य प्रदेश, टी. एन. एस. - -

(1) श्री आसरार आलि गैंगजी एवं अन्यान्य
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती सुमित्रा देवी गुप्ता।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर बाधकन ('निरीक्षण',
अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 16 जुलाई 1986

निदेश सं० ए० सी० रेंज-IV/कलकत्ता/1986-87--

अतः मुझे शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (प्रथम इसके पास 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), और भारत 269-घ के अधीन मध्य प्राधिकारी को, यह उक्त अधिनियम का कारण है कि स्थावर भम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 216 है तथा जो आचार्य जगदीश चन्द बोस रोड कलकत्ता 17 में स्थित है (और इस से उपावड़ अनुसूची में और गुर्गे रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी आई०ए०सी० अर्जन रेंज-1 कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-11-84

के पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विवास करने का कारण है कि यथाप्रान्तर मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरामान प्रतिफल से, एसे दूसरामान प्रतिफल के बढ़ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारी) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नान्तित उदाहरण में उक्त अन्तरण निर्दिष्ट अन्तरिक रूप से निर्धारित नहों किया गया है ...

(१) अन्तरक ८ हृष्ट किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दिन के अन्तरक के द्वायत्व में कमी करने या उसम बचने में सविधा के लिए, या:

(२) एसी इसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम ३, भन्न-३ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणाली-३ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहों किया जाय था या जो आय जाना चाहिए जो मिलाने में मेरेमा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, जैसे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

की यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के बजन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त गम्पेस के बजन के सम्बन्ध में कोइ भी आदेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो इस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

216 आचार्य जगदीश चन्द बोस रोड कलकत्ता 17 में अवस्थित मकान "श्री गणेश बिजनेस सेन्टर" का ओतला में 1490 वर्ग फीट आयतन का युनिट नं० बी का अविभक्त हिस्सा एवं एक कार पार्किंग स्पेस जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 कलकत्ता में पास सिरियल नं० सी० ए 108 के अनुसार 21-11-85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

दिनांक:-16-7-86

मोहर :

प्रूफ बाई.टी.एस.-----

(1) श्री आम्बार आनंद गैंगाजी तथा अन्धान्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री चन्दकान्त तिवेन्दला।

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर विभाग (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 जुलाई 1986

निवेश सं. ए०रेंज-1/कलकत्ता/1986-87--

अतः मुझे शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति विसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 216 है तथा जो आचार्य जगदीश
चन्द बोस रोड कलकत्ता-1 में स्थित है (आरे इसे
उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी आई०ए०सी० अर्जन
रेंज-1 कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 21-11-85

के पूर्वोक्त उपलिखित के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की वैद्य है और वैद्य वह विश्वास
करने का कारण है कि विभाषाओंके सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अवधान प्रतिफल से, ऐसे अवधान प्रतिफल का पूर्ण
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कम निम्नलिखित उत्तराय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय का बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक वा
प्रावित्य में कमी करने वा उत्तर से बचने में सुविधा
ने किए; और/या

(ल) एसी किसी वाय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ
को, जिन्हें भारतीय आयकर विभाग, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
विभाग, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ
अन्तरिती व्यापार प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था जिसमें में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा तत्त्वांतरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अस्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्ट
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों वारे पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं,
हैं, वही अर्थ द्वारा, जो उस अध्याय में दिया
है।

अनुसूची

216 आचार्य जगदीश चन्द्र बाबू रोड कलकत्ता 19
में अवस्थित मकान श्री गणेश बिजनेन सेन्टर का 3रा तला
में 1680 वर्ग फ़ीट आयतन का यूनिट नं. ३० डी० का अविमान
हिस्मा जी सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज कलकत्ता में पाल निरियल नं. 109 के अनुसार
21-11-85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

श्री नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 कलकत्ता

दिनांक :— 16-7-86

मोहर :

प्रख्य बाहर.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स मलिकान्त बिल्डर्स लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) जयश्री मित्रा एवं अन्यान्य।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिनियम (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 जूलाई 1986

निदेश सं. ए०/रेंज-1/कलकत्ता/1986-

अतः, मुझे, शब्द नईमुद्दिन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा रखा है), की धारा 269
व के अधीन गक्षम प्राधिकारी को, यह विवरण करने का कारण
है कि स्थावर गतिशील, निम्नलिखित उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 27/3ए है तथा जो कामेन्ट रोड

कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सक्षम प्राधिकारी आई० ए० सी० अर्जन रेंज-1 कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण अविभिन्नम् 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 21-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभाग
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यभाग प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभाग प्रतिफल के
पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य 'वे उक्त अन्तरण
(अन्तरिती) वास्तविक रूप से कठिन महीं किया गया है' :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
हावाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्वावृत्ति व्यक्तियां पर सूचन
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अन्तरक
बाब वे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
कट्टा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
बाब लिखित में किए जा सकते;

उक्त अन्तरण के लिए इसमें प्रमुख अद्वैत वेदों लोर वेदों का, जा उच्चल
विधिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस वध्याय में दिय
परा है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दृश्यभाग
को, किसी लालू का उपर से बचने में सुविधा के लिए,
किया गया।

(ख) एवं किसी बाय का किसी धन या अन्य आर्थिक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
की जाती है।

28-3ए कानमेन्ट रोड कलकत्ता में अवस्थित मकान का
दूसरा तला में 2364 वर्ग फीट का आफिस स्पेस तथा
186 वर्ग फीट आयतन का टेरस जो सक्षम प्राधिकारी
(तहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता
के पास 22-11-85 को रजिस्ट्रीकरण हुआ।

शेख नईमुद्दिन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

दिनांक: 16-7-86

मोहर :

अस. अ०, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसर
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की जगह (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रध्यप नाइर.टी.एन.एस.-----

(1) श्री उमा मोहम् ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारत 269-वा (1) के अधीन सूचना

(2) जयप्रिय काइन्स प्र० इन्डस्ट्रीयल इन्वेस्टमेंट
(इंडिया) लिमिटेड

(अन्तरिक)

भारत बाजार

कार्यालय, सहायक आयकर बायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन—I, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 16 जुलाई 1986

निदेश सं० टी आर-218/86-87/क० स.० 1234
आई० प० सी०/एक्य० आर-1 /कलकत्ता—यतः मुझे, शेख्र
नई मुदीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है
और जिसकी सं० 45 है तथा जो संकल्पीयर संगणि कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाव द्वा अनुसूची में और पूर्णस्पष्ट संवर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त संपत्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में बास्त-
विक रूप से कठित नहीं किया गया है ॥

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की, बाखत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे दबने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी थन या अन्य आस्तीनी
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती दबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवृद्धि था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना आर्ये करने पूर्वोक्त संपत्ति के बर्बन के लिए
कार्यालय शुरू करता है।

उक्ता संपत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी आलोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ८
४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दबारा;

(ख) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ८
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति दबारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिंचित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

45 नोक्यौपीय नामिं किनकूता में अवस्थित 15 काठा
1 छिटांक 35 वर्ग फिट जमीन तथा मकान जो कलकत्ता रजि-
स्ट्रेशन आफिस में नवम्बर 85 में रजिस्ट्रीकूत हुआ ।

शेख्र नईमुदीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता—16

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की अपेक्षा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित :—

दिनांक : 16-7-86

मोहर :

प्रधन मार्ग, टी. एन. एम. -----

(1) श्री बजरंग प्रापर्टीज प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) मेसर्स ग्रीनविच होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 जुलाई 1986

निदेश सं० एसी-43/प्रार-11/कल०/86-87--यतः मुझे
शेख नईमुदीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्य 3ए है तथा जो निड रोड आलिपुर कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपांबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आरा० ५० कलकत्ता
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एक्से दृश्यमान प्रतिफल का
पर्याप्त प्रतिकाल से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती
(बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के सिए तथा पाया जाया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्योगों से उक्त बंतरण सिद्धि के
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) बंतरण से हृष्ट किसी आव की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बंतरक के
द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आव या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ बन्तरिती बदारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा
के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार
ना०, दौ०, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
व अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अन्यथा—

को यह सूचना आर्य करने पूर्वोक्त संपत्ति के वर्तन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि का तस्वीरेवी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताकारी के पास
निपत्ति में किए जा सकते।

अधोकथा:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं वही वर्थ होता जो उस अन्याय में विद्या
रहता है।

अनुसूची

3ए निड रोड कलकत्ता में अवस्थित 8 काठा 9 छटांक
37 वर्ग फ्रिट आयतन जो रजिस्ट्रार अव एसुरेन्सेस
के दफतर में नवम्बर 85 में रजिस्ट्री हुआ।

शेख नईमुदीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II
कलकत्ता-16

दिनांक : 16-7-86

माहर :

प्रसूप बाई, टी. एम. एस. ----

(1) श्री विजय गिरधारी लाल कर्नोड़या

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) अलंग शिप ब्रेकर्स प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर उद्योग (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 14 जुलाई 1986

निदेश सं० अई-1/37-ई०/9299/85-86—अतः मुझे
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट सं० 63 जो छठी मंजिल मेहेर-नाम
इमारत कक्ष परेंज कुलाबा बम्बई-5 में स्थित है (और इसमें
उपांबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) /और जिसका
कारण नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है दिनांक 23-12-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दूर्घात
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्घात प्रतिफल से ऐसे दूर्घात प्रतिफल का
प्रतिक्रिया से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, दिनांकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में बासीकर रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वै
सायिक में कर्ता करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य बासितयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ
भान-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, लियाने में शुल्क
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आहंक ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुभ किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
ज्ञा है।

अनुसूची

प्लैट सं० 63 जो 63ी मंजिल मेहेर-नाम इमारत कफ
परेंज कुलाबा बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37ई०-8775/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-12-
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक : 14-7-1986
मोहर :

प्रकृष्ट आई. डॉ. लला, पर्स. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदा
289-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयकर, लालायक आयकर आदाएँ (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई, 1986

निवेश सं० अई-1/37-ई/9159/85-86—अतः मुझे

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयाम करने का
कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उल्लिख बाजार मन्त्र
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 17, जो 6ठी मंजिल मंगलम
अपार्टमेंट्स 99/ए, वालकेश्वर रोड बम्बई-6 में स्थित है
(और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका बारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
को पूर्वोक्त सम्बन्ध के उल्लिख बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मैं यह दृश्यमान
का कारण है कि यथाभूतीकृत सम्बन्ध का अंश बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक्ष (अन्तरक्षों) और अन्तरिक्ष
(अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित दृढ़शेष से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व
में कमी लगने वा उससे ज्ञाने वाले;

अनुसूची

(ख) दूसरी किसी आय वा किसी धन वा कान्य बास्तवों
को, 'अन्ह' भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
वे लिए;

फ्लैट सं० 17, जो 6ठी मंजिल, मंगलम अपार्टमेंट्स
99/ए वालकेश्वर रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ई/8640/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-12-
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

आदा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारों, अर्थात् :—

दिनांक : 14-7-1986

मोहर :

(1) श्री जयन्ती लाल जे० झबेरी और श्रीमती मरोज
जयन्ती लाल झबेरी।

(अन्तरक)

(2) श्री गमजीलाल जोहर और श्रीमती निरजा आर०
जोहर।

(अन्तरिक्षी)

कां यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में क्लाइंट भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवैध दाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारों में सं यिती अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर रसम्पत्ति में हितबद्ध
अन्य अधिकारी अधिकत द्वारा अधारस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही उन्हें लागत जो उस अध्याय में दिया
गया है।

राष्ट्रीय विदेशी प्रति-विवरण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारतीय भाषा

कार्यालय; सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1986

निदेश सं० श्री-1/37-ई/8789/85-86—भत्ता: मुझे
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवरण करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट सं० 28, जो 4थी मंजिल सी० सी०
आय० चैंबर्स दिनशां वाघा रोड बम्बई-20 में स्थित है (और
इससे उपांबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269
कथा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है दिनांक 15-11-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवरण
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वह प्रतिक्षेप से अधिक है और अंतरक (बंतरक) बीड़ अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाता गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण किया गया वास्तविक
इस से कठित नहीं किया था है ॥

(क) अंतरण के हृदृष्टि किसी बाब की उक्त उपस्थि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिस्त
में कमी करने या उपस्थि उपरे में सुविधा के लिए
और या

(ब) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आपस्तयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) द्वा उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
से लिए;

भत्ता: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)
में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन ॥

8-186 GI/86

(1) श्री वाशदेव जमनादास दवंगानी ।

(अन्तरक)

(2) श्री कमल के० हेमनानी और श्रीमती पूजा के०
हेमनानी ।

(अन्तरिसी)

वह यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए
कार्यालयीय सूचक लिए हैं ॥

उक्त सम्भालने के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
मात्र वाले समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वहूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा व्यापक व्यापक व्यापक
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
रखा है॥

अनुसूची

फ्लैट सं० 28 जो, 4थी मंजिल सी० सी० आय० चैंबर्स
दिनशां वाघा रोड बम्बई-20 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० श्री-3/37-ई/8278/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-11-
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

अ० प्रमाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1, बम्बई

दिनांक : 14-11-1986

सोहूर :

प्रस्तुत वार्ता, दी., एवं एष्ट. = २२ अप्रैल
जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
बात 269-ए (1) के बधीय सूचना

तात्पूर्त सूचना

आर्यालय, सहायक जावकर जायकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1986

निवेश सं० अई-1/37-ईई/8975/85-86—अतः मुझे,
ए० प्रसाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उक्त प्रश्नात् नक्त अधिनियम' कहा जाया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का
तारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० फैलैट सं० 16 जो पहली मंजिल सी०
सी० आई० चेंबर्स दिनशा आच्छा रोड बम्बई-20 में स्थित
है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)

और जिसका कागरनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
के अधीन द्वारा ही जिस रक्षम प्रदिव्यारी के कार्यालय
में रजिस्टर्ड है दिनांक 26-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रख्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके लक्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे रख्यबाज प्रतिफल का पूर्ण
प्रतिफल है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरीरी
(बन्तरीरियों) के द्वीप एवं अन्तरक के लिए तब यामा यामा
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से ही किसी बाय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन वर्त करने के अन्तरक ने हाइकोर्ट
में कही करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए
कहि/वा

(क) किसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
कार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया था
या विश्वास आया थाहिए था लिपाने में सुविधा जै
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रामचन्द्र बी० अग्रवाल श्रीमती शातीरेनी
अग्रवाल श्री विजय अग्रवाल और श्री राकेश
अग्रवाल।

(अन्तरक)

(2) श्री वामदेव जौ० दर्यनानी।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यवाहियों द्वारा कराया है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी वाक्यप न—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
45 दिन की अवधि या तत्पञ्चनी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधिक बाद में समाप्त होती है, अं भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति भी हित-
क्षुप द्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकारी जै
पास जिसित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण —इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अधीय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
पाया है।

बन्सूची

फैलैट सं० 16 जो पहली मंजिल सी० सी० आई० चेंबर्स

दिनशा आच्छा रोड बम्बई-20 में स्थित है।
अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/8460/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-11-
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
नहाय न आय न द्वारा द्वायुक्त (निरोक्षण),
अर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक : 14-7-1986
मोहर :

प्रकृष्ट बाईं, टी.एन.एस.

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जुलाई 1986

निवेदन सं० अई-1/37-ई/8631/85-86—अतः मुझे
निसार अहमद
वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की भारत
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 6 जो पहली मंजिल दिपमाला
को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि० 266 सायन एमेटरी लेन
सायन (प) बम्बई-22 में स्थित है (अंतर्मुख उपावड्ह अनु० च०
में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारना मा॒ आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269क्ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कायालिय में रजिस्ट्री है दिनांक 5-11-

1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमाल
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इसमाल प्रतिफल से एंसे इसमाल प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिवात से अधिक है और बन्तरक (बन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे बन्तरण के लिए तप
पापा क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण
निम्नलिखित बास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हूँ लिए अधिकारी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक तो
दायित्व दे दियी करने या उससे इचने में सुविधा
के लिए, और या

(ए) उसी अधिकारी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने वा॒
सुविधा के लिए;

उक्त बब उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

(1) श्रीमती सुधा नरेंद्र ताम्हाणे ।

(अन्तरक)

(2) श्री दिलोप वृडिलाल संघवी और श्रीमती भारती
दिलीप संघवी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पादक के अज्ञन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य पूँछ

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते० 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्राष्ट
हैं, वही वर्त होगा, जो उस अध्याय में दिया
दिया गया है ।

धनसूची

फ्लैट सं० 6 जो पहली मंजिल निमाता को०-आप०
हाउसिंग सोसायटी लि० 266 सायन एमेटरी लेन स्थान
(प) बम्बई-22 में स्थित है ।

अनुभुवी जैसा कि क्र० सं० अई-1/37- ई/8129/
85-86 और जो इसमाल प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-
11-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 15-7-1986

मोहर :

इच्छा बाइंस, ईडी प्रेस, एम्प्लान्ट

साधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

साउथ स्ट्रीट

आर्थिक, सहायक आयकर समिति (नियोजन)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जुलाई 1986

निदेश सं० अई-1/37-ई/8727/85-86—प्रतः मुझे
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
व के अधीन सकाम प्राधिकारी के, यह विषयास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति चिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० औद्योगिक यूनिट सं० 122, जो पहली
मंजिल आणिंग इंडस्ट्रियल हस्टेट गोखले रोड (दक्षिण)
दावार बम्बई-28 में स्थित है (अंतर इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 का के अधीन बम्बई स्थित
सकाम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 11-11-
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित कर गई है और भूमि यह विषयात्मक
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवं दृश्यमान प्रतिफल का
गम्भीर प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पास बढ़ा प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण नियित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है—

(ए) अनुसरण सं हूँ किसी आय की वस्तु अवृत्त वर्षीय-
नियम के अधीन कर देने के अनुरूप के दावित्व में
कार्य विकारे वा उक्त वस्तु के हृदिया के लिए;
मार्फ़ा/गा

(इ) एसी किसी आय या किसी भज या आव वास्तविकी
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रशोधनार्थ अंतरिती द्वाय प्रकट वही किया ज्ञा
या जो किया जाना चाहिए वा, जिसमें में दूषित
के लिए;

**अतः यद्युपर्याप्त अधिनियम की धारा 269-व की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, असौं :-**

(1) श्रीमती के० जी० मखिजा श्री एस० जी० मखिजा,
श्रीमती जे० बी० मखिजा श्री एम० बी० मखिजा
श्री बी० आर० मखिजा (हि० अ० कु०) और
श्री एस० टी० चिट्ठीस (हि० अ० कु०)
(अन्तरक)

(2) मेसर्स ब्रिटिश टेक्सटाइल मिल्स।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
दाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ता
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्से
वह दिव्य किसी अन्य व्यक्तिता द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिया गया दिव्य जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों वारे पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

औद्योगिक यूनिट सं० 122, जो पहली मंजिल आणिंग
इंडस्ट्रियल हस्टेट गोखले रोड (दक्षिण) दावार बम्बई-28
में स्थित है।

अनुसूची जैवा कि क्र० सं० अई-1/37-ई/8218/85-86
और जो सकाम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-11-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निशार अहमद
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (नियोजन)
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 15-7-1986

मोहर :

दस्तावेज़ दीप्ति पत्र एवं

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन्तन रोज़-1 बम्बई

बम्बई दिनांक 15 जुलाई 1986

निदेश मं० अई-1/37-ई/8752/85-86—प्रतः मुझे
निसार अहमद

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लट बी/2 जो दूसरी मंजिल इमारत
सं० 1 प्रथमेश को०-प्राप० हाउसिंग सोसायटी न्य० आफ
विर सावरकर भाग प्रभादेवी बम्बई-25 में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) /और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269
काले के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायालिय में
रजिस्टर है दिनांक 13-11-1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरीरतीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाल की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बनें के अन्तरक के
वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाल या किसी भन या अन्य अधिनियम
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या सक्त अधिनियम, या अन्य
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

जल्दी यथा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती श्रुष्णा अनन्त पिलगांवकर।

(अन्तरक)

(2) श्री जयंथ शिंगा नायरी।

(अन्तरक)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
विधि किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास
प्रिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लट सं० बी/2 जो दूसरी मंजिल इमारत सं० 1 प्रथमेश
को०-प्राप० हाउसिंग सोसायटी न्य० 1216(1) आफ विर
सावरकर भाग प्रभादेवी बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अ० सं० अई-1/37-ई/8243/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-11-
1965 को रजिस्टर किया गय

निगर अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अन्तर रोज़-1 बम्बई

दिनांक : 15-7-1986

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

(1) किशोर तारचन्द बुटानी और रमेश टी.बुटानी
(अन्तरक)
(2) श्री मोहिदरासिंग एल.खना और श्रीमती हरबन्स
कौर एम.खना।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई दिनांक 15 जुलाई 1986

निदेश सं० अई-1/37-ई/8759/85-86—अतः मुझे
निसार अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पश्चात् 'उथस अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ८ घर सं० १६ जो प्लाट सं० २९०/बी ओतसं
कालोनी को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लि० सायन-माटुंगा
इस्टेट (पूर्व) कोलीवाडा अम्बई-३७ में स्थित है (और इससे
उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कामलिय में रजिस्ट्री-
है दिनांक 13-11-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्छमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इच्छमान प्रतिफल से, ऐसे इच्छमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्य स्थ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हटाई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे अच्छने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रबाट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 264-४ के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाबत में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभा-
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

घर सं० 16 जो प्लाट सं० २९०/बी ओतसं कालोनी
को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लि० सायन-माटुंगा इस्टेट
(पूर्व) कोलीवाडा अम्बई-३७ में स्थित है।
अनुसूची जैसा कि श्र० सं० अई-1/37-ई/8250/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-11-
उ1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक : 15-7-1986
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आधिकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की
भारा २६९-ष (१) के अधीन सूचना**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-१ बम्बई

बम्बई दिनांक १५ जुलाई १९८६

निचेश सं० आई-१/३७-ई/८७७८/८५-८६—प्रतः मुझे
निसार अहमदआयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
२६९-ष को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयात् करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, वित्तका उचित बाजार भूमि
१,००,०००/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लट सं० ४४ जो ४थी मंजिल मेकर टावर-
एच बकबे रेक्लमेशन कफ परेड बम्बई-५ में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम १९६१ की धारा २६९
काले के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्टर है दिनांक १४-११-८५को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूमि से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विषयात्
करने का कारण है कि यथात् उक्त स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार
भूमि, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिक्रियत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय
पाया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेक से उक्त बन्तरण
सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) बन्तरण से हूँ जिसी आय की बाबन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और / ।(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
जैसे चिन्ह भारतीय आवकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धनकर
धनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;लक्षण: उक्त बन्तरण का धारा २६९-ष के बन्दरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ष की उपधारा (१)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—(१) श्री हस्सी एम० रामचन्द्रानी और चरन एम०
रामचन्द्रानी

(अंतरक)

(२) श्री गौतम पटेल ।

(अन्तरिती)

(३) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)जो वह दृच्छा बारी बरुखे पूर्वोक्त हमीत के बर्बन के लिए
कार्यवाप्रीत्यां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० विन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा व्याप्रोत्पादकी के पात
द्वितीय बाब द्वारा;स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) फ्लैट सं० ४४ जो ४थी मंजिल मेकर टावर "एच"
बकबे रेक्लमेशन कफ परेड बम्बई-५ में स्थित है।
अनुसूची जैसा कि श्र० सं० आई-१/३७-ई/८२६७/८५-
८६ और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक १४-११-
१९८५ को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-१ बम्बई

दिनांक : १५-७-१९८६

मोहर :

प्रधान मंत्री, टी.एन.एस.—एवं एस.पी.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर बायोक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 वम्बई

वम्बई, दिनांक 15 जुलाई 1986

निदेश सं० अई-1/37-ई/8779/85-86--अतः मुझे
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
फारज है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 6-बी जो छुटी मंजिल जीवन
इमारत नं० ८१० डी० रूपारेन मार्ग वम्बई-6 में स्थित है (और
इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के
के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड
है दिनांक 14-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल के पंचह
प्रतिकृति से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अंतरण सिद्धि में वास्तविक
रूप से कार्रित नहीं किया जाता है ॥

(क) अंतरण से हार्द किसी बायक की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
विविध में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(द) ऐसी किसी बाय का किसी धन ८। धन्य जास्तीयों
के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, किसान भी सुविधा
के लिए।

अतः उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
हूं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन—

(1) राजिकलाल जगन्नाल वाडिया और श्रीमती
हमुमती रमिकलाल वाडिया

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इला चेतन दवे और श्री चेतन एन० दवे
(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)

मैं यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यालयों शुरू करता हूं।

उक्त हार्दीत के उचित के संबंध में कोई भी वालों ॥

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वह
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(द) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं 6-बी जो 6वी मंजिल इमारत-जीवन एल०
डी० रूपारेन मार्ग वम्बई-6 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि श्र० नं० अई-1/37-ई/8268/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 14-11-
85 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 वम्बई

दिनांक : 15-7-1986

मोहर :

प्रृष्ठ प्राइ. टी. एन. एस. -----

(1) श्री जी. पी० तावडे ।

(अन्तरक)

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व के अधीन सूचना

(2) श्री रमेशकांत पी० ग्रमीत ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I बम्बई

बम्बई दिनांक 15 जुलाई 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/8870/85-86--अतः मुझे
निसार अहमदआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लेट सं० 27 जो 7वीं मंजिल 48 विनस
अपार्टमेंट्स वरली सीफेस-दक्षिण बम्बई-18 में स्थित है (और
इससे उपावड्हानुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनाम आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है दिनांक 20-11-85को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमात्र
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
एसे द्वयमात्र प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरक्ते) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरक
के लिए तथा पाश्चय यथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है ॥(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तवी
को जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) द्वायक अधिनियम, या
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाज-
अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नमूना

फ्लट सं० 27 जो 7वीं मंजिल 48 विनस अपार्टमेंट्स
वरली सीफेस दक्षिण बम्बई-18 में स्थित है
अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/8356/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-11-
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I बम्बई

दिनांक : 15-7-1986

मोहर :

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थात् :—
9-186GL/86

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----
 अधिकारी अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

सूचना

कार्यालय, सहायक वायकर वायकर (पिरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई दिनांक 15 जुलाई 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/8891/85-86—अतः मुझे
 निसार अहमद

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके तत्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
 कानून है कि स्थायक अधिकारी, विद्यमान उचित वायार मूल्य
 1,00,000/- रु. से अधिक है
 और जिसकी सं० फ्लैट सं० १६, जो पहली मंजिल, 70 पोच-
 खानवाला रोड, वरली बम्बई-25 में स्थित है (आंदर इससे
 उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) आंदर जिसका
 करारनामा वायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 का
 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टरी
 है दिनांक 20-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वायार मूल्य से कम के अधिनान
 प्रतिफल के निए अन्तरित की यह है और मुझे यह विश्वास
 करने के कारण है कि यह पूर्णोक्त सम्पत्ति का उचित वायार मूल्य
 इसके अधिनान प्रतिफल से एक अधिनान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बलरूप के जिए तब पाया जाया
 प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरेय से उचित बलरूप निकाल
 एवं अधिनियम द्वारा से की जाये जाये हैं—

(ए) बलरूप द्वारा दिल्ली वाय की वायत, उचित
 अधिनियम के अधीन कर हमें के अन्तरक के
 कार्यालय में कमी करने पाया उससे बचने के भूलिया
 है निए; और/या

(इ) एसी किसी वाय या विक्री भूल या अन्य कार्यालय को, जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम द्वायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 271 नं. प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट गहो किया
 जा या पाया किया जाय चाहिए था, जिसने एवं
 सुधिधा ले जिए;

अतः का, उचित अधिनियम की धारा 269-प के अनुसार
 मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, वर्णित :—

(१) लक्ष्मण शिळा को०-माप० हाउसिंग सीसायटी
 लिमिटेड।

(भारत)

(२) श्री गिरीशचन्द्र श्रीवास्तव।

(अन्वित)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन कार्यालयों करता हूँ।

उचित सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में योग्य वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वारी व्यक्तियों द्वारा
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि वाले में सबसे छोटी हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायक अधिकारी द्वारा अधिनियम
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकारी के पास
 प्रिवेट में हिक्के वा सहेजे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-के में परि-
 भावित है, वही वर्त होते, जो उक्त अध्याय
 में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० १८, जो, पहली मंजिल, 70 पोचखानवाला
 रोड वरली बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र सं० अई-1/37-ईई/8376/85-
 86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-11-
 1985 को रजिस्टरी किया गया है।

निसार अहमद
 सक्षम प्राधिकारी
 वायकर अधिकारी अधिकारी
 अधिकारी अधिकारी
 अर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक : 15-7-1986

मोहर :

प्रकाश बाहौदी, एम. एच. एच. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-व (1) के अधीन सूचना

मारक संसद

कार्यालय, सहायक आयकर बाजार (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15

निदेश सं० अई-1/37-ईई/8892/85-८६-इट:

मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा याहा है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विकल्प उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 1-बी, जो पहली मंजिल 70
पोचखानबाला रोड बरली बम्बई-25 में स्थित है (और इससे
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
कारारनामा प्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के
के अधीन बम्बई स्थित सकाम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है दिनांक 20-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उच्चमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि प्रधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके अव्याप्ति प्रतिफल से दोस्रे अव्याप्ति प्रतिफल का
वन्य प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और
बन्सारीती (बन्सारीती) के बीच दोस्रे अंतरण के लिए तय पाया
जाना प्रतिफल, विभिन्निकित उद्योग से उक्त बन्तरण विभिन्निकित
में वास्तविक रूप से कठीन हहों किया जाता है ॥—

(क) अंतरण से हुए किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के बन्तरक वा
वाविल में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ग) दोस्री किसी बाब या किसी भन वा अन्य आस्तीयों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाप-
नार्थ बन्सारीती द्वारा प्रकट नहीं किया जाय वा
या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा
के लिए;

(1) लड्मणिला को०-आप० हाउसिंग सोसायटी
लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती किरणधन श्रीवास्तव ।

(अन्तरिती)

और यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतरण के विषय
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अंतरण के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृक्ष
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताभरी के पाल
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और ग्रन्थों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट सं० 1-बी, जो पहली मंजिल 70 पोचखानबाला,
रोड बरली बम्बई-25 में स्थित है ।

अनुसूची जेसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/8377/85-
86 और जो सकाम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-1-
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

अव: वा, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, म... उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

दिनांक : 15-7-1986
मोहर :

प्रकृत वार्ता, टी.एन.एस., - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भार 269-व (1) के अधीन सूचना

उच्चत सूचना

कार्यालय, महायकर आयकर वायकर वायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई दिनांक 15 जुलाई 1986

निवेश सं. अई-1/37-ई/8971/85-86—अतः मुझे,

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

आरजिस्टर की सं. पलैट सं. 3 जो पहली मंजिल इमारत सं.
16 नवजीवन को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि० लैमिंगटन
रोड बम्बई-8 में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में
आर पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 26-11-

1985

को प्राकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल के
पांदू प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और वंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वायत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में
क्षमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अधिति :—

(1) श्री गोपे एम० चन्द्रीरामानी ।

(अंतरक)

(2) श्रीमती सुशीला एम० जानी और श्रीमती जयश्री
डी० जानी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील ये 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

मन्त्री

पलैट सं. 3 जो पहली मंजिल इमारत सं. 16 नवजीवन
को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि० लैमिंगटन रोड बम्बई-
8 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं. अई-1/37-ई/8455/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-11-
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
महायकर आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक : 15-7-1986

मोहर :

प्रध्यम वाहने, टी.एल.एच.—

(१) मेसर्स निलम इस्टेट्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की
धारा २६७-ष (१) के वर्तीन सूचना

(२) मेसर्स अब्दुल लतीफ फैमिली इस्ट।

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१, बम्बई

बम्बई दिनांक १५ जुलाई १९८६

निवेश सं० अई-१/३७-ई/९०१५/८५-८६—अतः मुझे
निसार अहमद
आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
२६७-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
१,००,०००/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट सं० १०४ जो पहली मंजिल सविस
इण्डिस्ट्रियल इस्टेट ए-विंग हिंद सायकल रोड गोपाल नगर
झोपड़पट्टी वरली बम्बई में स्थित है (और इससे उपावड़ अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) /और जिसका करारनामा
बम्बई में स्थित सक्रम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
२९-११-८५

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिशत के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिशत से एक्से द्वयमान प्रतिशत का
एक्स्ट्रा प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (बाहरको) और अन्त-
रिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर याया गया
दौरफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक प्रतिशत में
अन्तरिक्ष का से अधिक नहीं किया गया है ॥—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के दाक
लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिचायित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय से दिया
गया है।

अनुसूची

(अ.) अन्तरण से हुई किसी वायर की बाबत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने वे अन्तरण के
प्रतिशत में किसी कर्तव्य का उचित अन्तरण में सूचित
के लिए; और/या

(ब.) उसी किसी वायर का किन्हीं भूमि या अन्य अधिनियम
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या अन्यकर
अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रबोचनाथ
अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
आया जाहिए था, कियाने में सूचित के लिए;

यूनिट सं० १०४ जो पहली मंजिल ए-विंग, सर्विस
इण्डिस्ट्रियल इस्टेट हिंद सायकल रोड गोपाल नगर
झोपड़पट्टी वरली बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि अ०सं० अई-१/२३६७-ई/८५००/
८५-८६ और जो सक्रम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक २९-
११-१९८५ को रजिस्टर्ड किया गया था या किया
आया जाहिए था, कियाने में सूचित के लिए ।

निसार अहमद
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-१, बम्बई

दिनांक : १५-७-१९८६

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा २६७-ग के अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की भारा २६७-ष की उपभारा (१)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

ब्रह्म बाई, टी.एन., एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

मालत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1986

निवेश सं० ग्रई-1/37-ई/23478/85-86--भ्रतः

मुझे लक्षण दास

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग दो अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यालय करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आकुली रोड एस० सं० 68 कांदीवली
तालूका ओरीकली में स्थित है और इसमें उपावड़ मनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा वायकर
अधिनियम की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय बम्बई रजिस्ट्री है । दिनांक 1-11-1985
के पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इव्वमान
प्रतिफल के लिए अंतरिक की गई है और मुझे यह विद्यालय करने
का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके इव्वमान प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती
(अंतरिक्तियों) के बीच ऐसे अंतरक के लिए तथा पाया जाना
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरक लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया जाया है ।

(क) अन्तरण से हूँ इन्हीं किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरुक के वायित्व में
किसी वरने दा उमसे याचने में प्रावधान के लिए;
दीए/वा

(घ) एसी किसी बाब या किसी धन वा वस्तु वासितवाओं
को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) द्वारा वायित्वम्, या वस्तु
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) द्वारा
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया जाया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
में लिए;

भ्रतः बह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) स्टण्डर्ड रोलिंग शटर्स एण्ड इंजीनियरिंग वर्क्स
प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स यूनिक चंस्ट्रक्शन्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के बर्बन के लिए
कार्यकारीयों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्चन के संबंध में काह भी वाक्य :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताकारी वा
पास निश्चित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के ने परिभ्रान्ति
है, वही वर्ग होता, जो उस अध्याय में विद्या
गया है ।

मन्त्री

“जमीन का हिस्सा जो आकुली रोड एस० सं० 68 हिस्सा
सं० 3(ए) (बी) सी० टी० एस० सं० 139 विलेज आकुली
कांदीवली तालूका ओरीकली में स्थित है

प्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० ग्रई-2/37ई/23478/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्षण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 9-7-1986

मोहर :

प्रधम भाई, टी. एन. एस.-----

प्रधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर बाधकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई दिनांक 9 जुलाई 1986

निदेश सं० अर्द्ध-१/३७ई/२३३७५/८५-८६—प्रतः मुझे,
लक्षण दास,प्रधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० सर्वे सं० 108 एच० सं० 7 एक्सर विलेज।
बोरीवली में स्थित है और इससे ऊपर अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
की धारा 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 1-11-1985के पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इन्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य, उसके इन्यमान प्रतिफल से, एंते इन्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधक है और अंतरक (अंतरक) और अंत-
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
प्राप्तविधि रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) एसी बिली आय या किसी धन या बन्ध बासितीयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सुविधा है।अब: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
अंतरीन, निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् ८—

(1) श्रीमती एस० ए० म्हात्रे और अन्य।
(अन्तरक)

(2) मेसर्स जे० के० फ्रिल्डर्स।
(अन्तरिती)

कि यह सूचना आरी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों द्वारा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आकंप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
45 दिन की अवधि या इसपाल्थी अविक्तयों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवृष्ट
किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय २०-क में परिभ्रान्त
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अन्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

“जमीन का हिस्सा जिसका रेबेयू सर्वे सं० 108 एच०
सं० 7 सी० टी० सर्वे सं० 1192, एस० सं० 107 एच०
सं० 28 सी० टी० सर्वे सं० 1195, विलेज एक्सार
बोरीवली तालुका में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं० अर्द्ध-२/३७ई/२३३७५/८५-
८६ और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-१ बम्बई

दिनांक : 9-7-1986

मोहर :

प्राप्ति वाइ-टी.एन ५८

बाबकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की
भारा २६९-व (१) के अधीन सूचना

प्रारंभ संस्कार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-४ बम्बई

बम्बई दिनांक ९ जुलाई १९८६

निवेश सं० अई-४/३७ई/२३७३६/८५-८६—अतः मुझे
सूचना दास्तूँ

बाबकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
२६९-व के अधीन सभी सभी प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका अधिकतम भावकर भूमि
१.००.०००/- रु. ते अधिक है

और जिसकी सं० गाला सं० ६९/सी जिसका एस० सं० १९
और १६ (अंश) जो हनुमान नगर आकूली विलेज कांदिवली
(पूर्व) बम्बई-१०१ में स्थित है (और इससे उपराह अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम की धारा २६९ के कारण आयुक्त आवकर मूल्य
कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक १-१-१९८५

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के अव्याप्त
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि भागपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार
मूल्य, उसके अव्याप्त प्रतिफल से ऐसे अव्याप्त प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (बम्बारको) और
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरज के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरेय दे उक्त बन्धुराम
विवित अंतरालिक रूप में कार्यत नहीं किया जाता है :—

(१) अन्तरज से हुई किसी बाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अंतरक अन्तरक के हाईकोर्ट
में किसी छारन या उदासे पक्के में भविता है किया,
जाए/या

(२) एसी किसी बाय या किसी भव या अन्य आवकरणों
को, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उपर अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के अव्याप्त-
पार्थी अन्तरिती इवाह प्रक्रिया नहीं किया जाता तो
वा किया जाना चाहिए तो छिपाने के कारित्व न
है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा २६९-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा २६९-व की उपधारा (१)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारों, अधार्तु :—

(१) मेसर्स अलंकार कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(अन्तरक)

(२) मेसर्स महाबली मेटल इंडस्ट्रिज़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अवंत के नियम
कार्यालयों द्वारा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवंत के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
४५ दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अंतिमों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाइ-टी.एन में समाप्त होती है, वे भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तिरात्रि में विस्तीर्ण व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर गम्भीरता में हितवद्धुभ
किसी व्यक्ति द्वारा अपोन्सामरी के पास
नियमन भा० १०८ का जागा।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गाला सं० ६९/सी जिसका सर्वे सं० १९ और १६ (अंश)
जो हनुमान नगर आकूली विलेज कांदिवली (पूर्व) बम्बई-
१०१ में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-४/३७-ई/८५-८६
और जो सभी प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक १-१-१९८५
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षण दास
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अंजन रेंज-४ बम्बई

दिनांक : ९-७-१९८६

मोहर :

प्रकृष्ट प्राप्ति आर्द्ध-टी.एन.एस. -----

1 मंसर्स सदस्यविजय बिल्डर्स ।

(अन्तर्रक्ष)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-सं (1) के अधीन सूचना

2. मंसर्स सहकार बिल्डर्स ।

(अन्तर्रक्ष)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन: रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1986

निडण सं० अर्द्ध-4/37ई/24175/85-86—अतः मुझे,
लक्ष्मण दाता,
आयकर अधिनियम, 1901 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके अधीन 'ददत अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-सं के अधीन भारत प्राधिकारी को ग्रह निश्वास करने का
कानून है कि स्थानक अधिकारी, जिसका जागर भूल
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या जनीन का हिस्सा जिसका सर्वे० नं०
62 एवं० नं० 2 सी० टी० एस० 1359 और एस० नं०
2 एस० नं० 14 ए और बी० सी० टी० एस० नं० 1380,
और सर्वे० नं० 63, हिस्सा नं० 1 सी० टी० एस० नं० 1382
और सर्वे० नं० 63, हिस्सा नं० 8 सी० टी० एस० नं०
1379 दहिरा, बम्बई में स्थित है और इससे उपावट अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
की धारा 269 के अधीन लक्ष्मण प्राधिकारी के कार्यालय
बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 1-11-1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कानून भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में छिट-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
इसके यह निश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल, उसके दस्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है
और अंदरक (अंदरकों) और बांदारती (अंतरितियों)
के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
बदलाव में सूचित अन्तरण दिलाई एवं उत्तरांतर रूप से वर्णित
किया गया है—

(क) अन्तरण न हुई दिलाई गई की बाजार, उक्त
अधिनियम के अधीन कर इन के अन्तरक के
दायित्व गें कमी करने या उससे बचने में सुविधा
की दिलाई दी गयी।

(न) एसी किसी आय या किसी भा या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारतीय अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
या उक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रदृढ़ गये हों तथा उस
के लिए;

पूर्वोक्त उक्त अधिनियम का 269 वाले अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपलब्धा (1)
में अनुसरण के अन्तर्गत प्रदृढ़ गये हों तथा उस
के लिए;

10—176 GI/86

जनीन का हिस्सा जिसका सर्वे० नं० 62 हिस्सा नं०
2 सी० टी० ए० नं० 1359 और सर्वे० नं० 5 हिस्सा
नं० 14ए और 14 बी, सी० टी० ए० नं० 1380
और सर्वे० नं० 63 हिस्सा नं० 1 सी० टी० ए० नं० 1382
व सर्वे० नं० 63 हिस्सा नं० 63, सी० टी० ए० नं०
1379 जो दिलाई बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० नं० अर्द्ध-4/37ई/24515/85-
86 और जो लक्ष्मण प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाता

लक्ष्मण प्राधिकारी

सहायक आयकर अधिकारी (प्रिंसिपल)

अर्जन: रेंज-4, बम्बई

तारीख: 9-7-1986

मोहर :

श्रम आइ.टी.ए.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- IV बम्बई

बम्बई दिनांक 9 जुलाई 1986

भिर्देश सं० अर्ड-4/37ई/23229/85-86:—अतः मुझे,
लक्षण दाएँ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि मध्याहर समर्पित, जिसका उचित बाजार भूल्य
1,00,000/-रु. में अधिक है

और जिसमें प्रत्येक के साथ इमारत जो अशोक नगर
मर्वे० नं० 5 एच० नं० 1 एस० नं० 6 (अंग) एस० नं०
20ए प्लाट नं० एफ-12 विलेज वाधवा। कांदिवली
(पूर्व) बम्बई में स्थित है और इससे उपावट्र अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आय-
कर अधिनियम की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 1-11-
1985।

को पूर्वोत्तर संपत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तर संपत्ति का उचित बाजार
भूल्य, उसके इयमान प्रतिफल गे एसे इयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अन्तरक) और
अन्तरितो (अन्तरितियों) के लिए एसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण
लिखित प्राप्तिकरण रूप से मार्गित नहीं किया गया है :—

अ. अन्तरण वे हैं जिसी दाय के बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दाय के अन्तरक के
वायित्व के लिए करने या उससे अन्तर के संविधा
के लिए, गैर/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिन्हे भागनीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में निवाद
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरा-
में मैं, उसा अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाय (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन :—

1. श्री होमी ७६० टेन

और कुमारी यू० के० वर्द० और अन्य।

(अन्तर्क)

2. नेटो मेट्रो प्रिंटर्स प्रावेट लिमिटेड।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाचिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ८
४५ दिन की अवधि दा तःस्वन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख से ३० दिन ली जायें, जो भी
अवधि बाइ ८० समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ८०
४५ दिन के भीतर उक्त स्थान व सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जिसमें के साथ इमारत जो अशोक नगर मर्वे० नं० 5
हिस्का नं० 1, एस० नं० 6 (अंग) एस० नं० 20 ए प्लाट
नं० एफ-2 विलेज वाधवान कांदिवली (पूर्व) बम्बई में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अर्ड-4/37ई/23229/85-
86 और जो नक्षन प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज- १, बम्बई

तारीख: 9-7-1986

मोदूर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

अधिकारी अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत राष्ट्रकार

कालालय, सहायक आयकर बायक्स (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 9 जुलाई 1986

सं. अई-4/37ई/23817/85-86:—अतः मुझे, दक्षमण
दाय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी संख्या जमीन का हिस्सा जि. का सी० एस०
नं० ३८९ एच० नं० ६ पुराना सर्व० नं० १४९ एकसार
विलेज बोंबली बम्बई में स्थित है और इससे उपावट
अनुसूची में अं० पूर्ण रूप सं वर्णित है अं० जिसका करार-
लामा आयकर अधिनियम की धारा 269 का ख के अधीन
स्थाम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख
1-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
नन्हा ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन द्वारा दिनांक अन्तरण के
दृष्टिकोण से कमी बढ़ाव या उससे बढ़ने पर भविष्य
के लिए; और/या

वा. ऐसी किसी या किसी भूमि का बन्ध आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अन्तरात्मा अन्तरात्मा द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किसी जाता चाहिए था, लिपान ये
सूचना न हो;

1. मेसर्से रोड बिल्डर्स।

(अन्तरिक)

2. मेरस सहकार एसोसिएटेस।

(अन्तरिक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्द्दत के लिए
व्यारोधाद्वारा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में दर्शान की जारीत 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
इद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
स्थानों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में दर्शान की जारीत से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हित-
दूष किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरों द्वारा
लिया जाना जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-व में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सी० ए० नं० ८८९ पुराना
सी० ए० नं० १४९, नया सर्व० नं० १५२, एच० नं० ६,
विलेज एकसारा तालुका बोंबली बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैना फि क्र० सं० अई-4/37ई/23817/85-
86 और जो स्थाम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-
1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षण दास
लक्ष्म ग्रामीणी,
तालुक ग्रामीण ग्रामीण (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4 बम्बई

दिनांक: 9-7-1986

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व के अधीन सूचना

1. श्री मिताराम पंच. हलवाई और श्रम्य।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पी. जे. इगडे।

(अनाधिकी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1986

मं. आई-4/37ई/23663/85-86:—अतः मुझे,
लक्ष्मण दाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
दृष्टि दिया है 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संदर्भ दुकान जो प्लाट नं. 5 वी (अंश)
फाउनल प्लाट नं. 18 (टी० पी० ए० १) चन्दावरकर
लेन बोरिली (प) बम्बई-92 में स्थित है और इसमें
उत्तरावधि अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई से रजिस्ट्री है
तारीख 1-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, अमंके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
प्रदृश अन्तिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिक्षी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
कास्तरियक है से कार्यत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
मैं ज्ञान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्प्रकाशनी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उधोक्षताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ हैं जो उस अध्याय में दिया
गया है।

लक्ष्मण दाम,

प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 9-7-1986

मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-घ (1) के अधीन सूचना

1. श्री छाहीम भाई पंचू बापूभाई नाडीवादवाला
और अन्य।

(अन्तर्क-

2. उद्धाराम ए. थडानी और अन्य।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1986

निर्देश मं० अई-3/37ई/वी/2761/85-86---अत मुझे, ए०
प्रमाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके शब्दात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या पारम्परिक नमीन का हिस्सा जो शिमा-
पेस, स्टॉकर्स, चान दुश्तन के नाम विवेकाभन्द रोड, मानाली,
बम्बई-64 में स्थित है (जैसे उपर उन्नुमति में ओर
पूर्ण विवरण दिया गया है) अजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कायलिय
बम्बई में अजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 वा
16) के अधीन गारीब 20-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित पं
श्चात्तिक रूप से कार्यस नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
में कर्मी करने या उससे बचने में हृतिधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूक्ष्मिका
के लिए;

अतः एवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भा०, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकंप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि यात्रम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निस्तिस्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है :

अनुसूची

पारम्परिक जपीद ज विस्मा जो शिमावनेन स्टॉकर्स,
चान, दुश्तन के नाम, स्वापी विवेकाभन्द रोड, मानाली बम्बई,
64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि विलोबि सं० एम० 3182/81 और
जो उप रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 20-11-1985 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रकाद
नक्षम प्राधिकारी

संदायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-3, बम्बई

दिनांक: 14-7-1986

मोहर:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
New Delhi, the 17th June, 1986

No. A-31014/1/86-Admn. I.—The President is pleased to appoint the following temporary Senior Personal Assistants (Grade B of CSSS) who are holding the undermentioned posts in the cadre of Union Public Service Commission, substantively in the Grade of Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the Union Public Service Commission, New Delhi with effect from the dates mentioned below against their names :

Sl. No.	Name of Officer	Post holding at present	Date of confirmation
1	2	3	4
S/Shri			
1.	Tarsem Singh	Private Secretary (Grade A of CSSS) (ad-hoc)	2-2-1984
2.	K. S. Bhutani	-do-	2-2-1984
3.	K. Sundaram	Special Assistant to Chairman, UPSC.	2-2-1984
4.	P. P. Sikka	Private Secretary (Grade A of CSSS) (ad-hoc)	20-2-1984
5.	M. M. L. Chandra	-do-	1-5-1985 (M. P. JAIN) Under Secy Under Secretary (Per. Admn.) Union Public Service Commission

**MINISTRY OF PERSONNEL AND TRAINING
ADMINISTRATIVE REFORMS
PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION
(DEPTT. OF PERSONNEL & TRAINING)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION**

New Delhi-3, the 15th July 1986

No. A-19021/11/82-AD.V.—The services of Shri M. L. Sharma, IPS (Rajasthan-1972), Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, Special Unit, on repatriation, are placed at the disposal of Govt of Rajasthan with effect from the forenoon of 26th June, 1986.

No. 3/28/85-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri P. Unnikrishnan, Deputy Superintendent of Police/CBI/SPE to officiate as Supdt. of Police in the CBI/SPE on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 30th June, 1986 and until further orders.

No. A/19036/2/78/AD.V.—Shri Sugan Singh Gogawat, Dy. Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Jaipur relinquished charge of the Office of Dy. Superintendent of Police, CBI with effect from the afternoon of 31st May, 1986 on superannuation.

D. P. BHALLA
Administrative Officer (E)
CBI

**MINISTRY OF HOME AFFAIRS
BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT**

New Delhi-110 003, the 13th July 1986

No. 3/10/85-Adm.I.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Roy, IPS (W. B.) as Principal, Central Detective Training School, Calcutta w.e.f. the forenoon of 11th June, 1986, until further orders.

S. K. MALLIK
Director General

DIRECTORATE GENERAL, CRPF.
New Delhi-110 063, the 14th July 1986

No. O.II-617/69-Estt.I.—Shri J. S. Dawsan, Assistant Commandant, 41 Bn, CRPF expired on 5-7-86 (AN). He is accordingly struck off the strength of the force from 6-7-86 (AN).

The 15th July 1986

No. O.II.2216/86-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Dhurva Narayan as General Duty Officer, Grade-II (Dy. Supdt. of Police/Coy Comdr.) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 3rd July, 1986 till further orders.

No. O.II.2217/86-Estt.I.—The President is pleased to appoint Dr. Ashutosh Upadhyay as General Duty Officer, Grade-II (Dy. Supdt. of Police/Coy. Comdr.) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 4th July, 1986 till further orders.

No. O.II.2218/86-Estt.I.—The President is pleased to appoint Dr. Rajendra Prasad Singh as General Duty Officer, Grade-II (Dy. Supdt. of Police/Coy Comdr.) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30th June, 1986 till further orders.

KISHAN LAL
Dy. Dir. (Estt.)

**DIRECTORATE GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE**

New Delhi-110 003, the 14th July 1986

No. E-32015(3)/4/86-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Bhagat Asstt. Comdt. on promotion as Deputy Commandant, CISF Unit, IG Mint Hyderabad with effect from the forenoon of 17th June 1986 on regular basis.

The 18th July 1986

No. E-32015(2)/4/86-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri A. S. Khaturia, Asstt. Commandant on promotion as Commandant, CISF Unit, HFCL, Durgapur with effect from the forenoon of 25th June, 1986 on regular basis.

No. E-32015(3)/2/86-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri H. S. Pannu, Asstt. Commandant on promotion as Deputy Commandant, CISF Unit, NALCO Angul with effect from the forenoon of 27th June, 1986 on regular basis.

Sd/- ILLEGIBLE
Dir. General/CISF

**MINISTRY OF LABOUR
LABOUR BUREAU**

Shimla-171 004, the 1st August 1986

No. 5/1/86-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base : 1960—100 increased by seven points to reach 658 (Six hundred fifty eight) for the month of June, 1986. Converted to Base : 1949—100 the index for the month of June, 1986 works out to 800 (Eight hundred).

VIJAY KUMAR
Deputy Director

MINISTRY OF FINANCE

DEPTT. OF ECO. AFFAIRS,
INDIA SECURITY PRESS.

Nasik-Road, the 15th July 1986

No. 246/A.—In continuation of this Office Notification No. 669/A, dated 1-1-1986, the ad-hoc appointment of Shri G. V. Karankal as Deputy Control Officer, India Security Press, Nasik-Road is further extended for a period of 6 months w.e.f. 19-6-1986 to 18-12-1986 (AN) or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

P. S. SHIVARAM
General Manager,
India Security Press

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461 005, the 17th July 1986

No. 7(66)/3051.—In continuation of this Office Notification No. 7(66)/8850 dated 6-2-1986, the ad-hoc appointment of Shri C. P. Bhatiya as Assistant Works Manager in this

organization in the scale of pay Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 is hereby extended for a period upto 31-7-1986.

S. R. PATHAK
General Manager

AUDIT AND ACCOUNTS DEPTT.
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A & E)
ANDHRA PRADESH

Hyderabad-500463, the 11th July 1986

No. Admn.J/A/E/8-88/86-87.—The Accountant General (A&E), Andhra Pradesh, Hyderabad is pleased to promote the undermentioned Section Officer to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date shown against his name, until further orders :—

Name and Date of assumption of charge

Sri Gulam Hussain—03-07-1986 F.N.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, if any, and is also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

Sd/- II.LEGIBLE
Dy. Accountant General, (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
(AUDIT-I) MADHYA PRADESH

Gwalior, the 17th July, 1986

No. Admn. XI/Gr. I/Promotion/AO/77/313—The Accountant General (Audit-I) Madhya Pradesh, Gwalior has been pleased to promote the following Asstt. Audit Officers as Audit Officers in the officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates of their taking over as noted against them :—

Sl. No.	Name	Perma- nent No.	Date of taking over /date of promotion
S/Shri		01/	
1. R. C. Dixit		380	30-4-1986 (F.N.)
2. K. L. Pachori		373	2-5-1986 (F.N.)
3. A. R. Yagyik		385	21-5-1986 (F.N.) (Proforma Promotion under N.B.R.)
4. T. C. Ahirwar		1075	21-5-1986 (F.N.)

(Authority : A. G. (Audit-I) M. P. Orders dated 29-4-1986
and 20-5-1986)

M. DEENA DAYALAN
Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL 'A&E',
PUNJAB & CHANDIGARH

Chandigarh, the 24th February 1986

No. Admn. III/Gp. 'D'/Termination/85-86/2222-26.—Notice of termination of service issued under Rule 5(i) of the C.C.S. (Ty. services) Rules, 1965.

In pursuance of sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Services) Rules, 1965, I, Ram Singh, Senior Deputy Accountant General (Admn.) hereby give notice to Sh. Amar Nath Group 'D' that his service shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on him

RAM SINGH
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL

Calcutta-1, the 14th July 1986

No. Admn-J/C/Gaz/1053-54.—The Director of Audit, Central Calcutta has been pleased to appoint the following section officers to officiate as Assistant Audit Officers (Group 'B') in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 from the date noted against each in the office of the Director of Audit, Central Calcutta until further orders :—

Sl. No. Name and Date of assumption of charge

1. Sadhan Chandra Mondal—23-6-1986 (F/N).
2. Bibhuti Bhushan Saha—3-6-1986 (F/N).
3. Asim Kumar Sarkar—29-5-1986 (F/N).
4. Bhupal Chandra Banerjee—3-6-1986 (F/N).

S. K. RAHRI
Dy. Dir. of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 15th July 1986

No. 1510/A-Admn./130/86—On attaining the age of superannuation the following Audit Officers, Defence Services retired from service with effect from the date indicated against each :—

Sl. No.	Name	Designation	Date from which retired
S/Shri			
1. M. Mitra	Substantive Audit Officer		31-1-1986 (AN)
2. P. K. Guha	Substantive Audit Officer		28-2-1986 (AN)
3. K. Krishnamurthy	Substantive Audit Officer		30-6-1986 (AN)
4. B. R. Khanna	Substantive Audit Officer		30-6-1986 (AN)
5. S. Nutirajan	Substantive Audit Officer		30-6-86 (AN)
6. B. K. Paul	Substantive Audit Officer		30-6-1986 (AN)

The 18th July 1986

No. 1606/A-Admn./130/86.—In this Office Notification forwarded under No. 7126/A-Admn./130/82-85 dated 25-2-1986 the following amendment may be carried out :—

Against Sl. No. 5 (Col. 4)

For : "30-9-85"

Read : "30-9-85 (AN)"

B. S. GILL
Jt. Director of Audit,
Defence Services

**MINISTRY OF TEXTILES
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR
HANDLOOMS**

New Delhi, the 3rd July 1986

No. 1/4/86-DCH/Admin I (Vol.I) pt.—The President is pleased to appoint Shri Om Prakash, IAS (MT: 77), Deputy Development Commissioner for Handlooms as Chief Enforcement Officer on deputation basis in the Central Office of Enforcement Machinery at Delhi with effect from the forenoon of 18th June, 1986, until further orders.

N. N. VASUDEV
Addl. Development Commissioner for Handlooms

**MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)**

New Delhi, the 10th June 1986

No. A-19018(430)/79-Admn.(G).—Consequent on his appointment as Chemists and Metallurgist, under Railway Board at Secunderabad Shri Radhey Shyam relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. I) (Metallurgy) at Small Industries Service Institute, Ahmedabad on the afternoon of 30-5-1986.

C. C. ROY
Dy. Director (Admn.)

**MINISTRY OF STEEL & MINES
DEPARTMENT OF STEEL
(IRON & STEEL CONTROL)
Calcutta-20, the 9th July 1986**

No. EI-12(78)/(.).—The undersigned hereby appoints Shri M. L. Bhattacharjee, Superintendent, to officiate in the post of Assistant Commissioner of Payments in this office with effect from 1-7-86 (FN) on temporary basis against leave vacancy of Shri B. N. Mondal, Asstt. Commissioner of Payments.

D. K. GHOSH
Iron & Steel Controller

**MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
FILMS DIVISION**

Bombay-400 026, the 8th July 1986

No. 5/13/58-Est.I.—Consequent on attaining the age of superannuation Shri B. S. Mathur relinquished charge of the post of Cameraman in Films Division at Bombay in the afternoon of 30th June, 1986.

N. N. SHARMA
Administrative Officer
for Chief Producer

**MINISTRY OF AGRICULTURE
DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION
DIRECTORATE OF PLANT PROTECTION
KUARANTINE AND STORAGE**

Faridabad, the 4th July 1986

No. 7-9/86-Adm.I.—The Plant Protection Adviser in the Government of India has appointed Shri Anil Kumar Rai to the post of Surveillance Officer (Group "B" Gazetted) at Central Surveillance Station, Gauhati under the Directorate of Plant Protection Quarantine and Storage in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 23rd June, 1986 in a temporary capacity, until further orders.

S. P. KUTAR
Chief Administrative Officer

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
CONSTRUCTION & SERVICES GROUP**

Bombay-400 094, the 3rd July 1986

No. C&SG/A/2(42)/3940.—The Director, Construction & Services Group, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri M. Mukundan, Assistant Personnel Officer in Directorate of Estate Management to officiate as Administrative Officer-II in Construction & Services Group in a temporary capacity with effect from the forenoon of June 30, 1986 vice Shri D. N. Shetty, Administrative Officer-II promoted.

D. N. SHETTI
Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 8th June 1986

No. DPS/41/17/85-Adm./3380.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri G. B. G. Rao, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-40-1200 from 3-5-1986 (FN) to 13-6-1986 (AN) in the same Directorate vice Shri K. C. S. Pillai granted leave.

B. G. KULKARNI
Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 15th July 1986

No. AMD-16/9/85-Recd.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri K. M. Kaushik, a permanent Assistant, AMD to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Division on an adhoc basis with effect from the forenoon of June 10, 1986 to July 11, 1986 vice Shri K. A. Pillai, Assistant Personnel Officer granted leave.

P. S. R. MURTY
Administrative Officer-II

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 038, the 11th July 1986

No. 05012/R1/OP/2932.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Shrikrishna Shrihari Khanolkar a permanent Selection Grade Clerk in Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same office in a temporary capacity, on ad-hoc basis from 7-5-86 (FN) to 6-6-1986 (AN) vice Shri G. Kulandaivelu, APO, granted leave.

No. 05012/R4/OP/2933.—Chief Executive Heavy Water Projects appoints Shri A. John Stephen, Selection Grade Clerk, Heavy Water Plant (Tuticorin) to officiate as Assistant Personnel Officer in the same office, in a temporary capacity, on adhoc basis wef 13-1-86 (FN) to 7-3-86 (AN) vice Shri G. Padmanabhan, Assistant Personnel Officer, appointed to officiate as Admin. Officer-III.

No. 05012/R2/OP/2934.—Chief Executive, Heavy Water Projects appoints Shri Ghanshyam Chhaganbhai Patel, Selection Grade Clerk of Heavy Water Plant (Faroda) to officiate as Assistant Personnel Officer in the same office, in a temporary capacity on adhoc basis wef December 3, 1985 (FN) to January 30, 1986 (AN) vice Shri N. G. Nair, Assistant Personnel Officer appointed to officiate as Labour-cum-Welfare Officer.

SMT. K. P. KALLAYANIKUTTY
Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE
CIVIL ENGINEERING DIVISION
Bangalore-560 009, the 23rd June 1986

No. 6/39/84-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, is pleased to appoint Shri J. Srinivas Gadiyar as Engineer-SB in the Civil Engineering Division, Department of Space in an officiating capacity with effect from the forenoon of 10-2-1986 and until further orders.

K. INDIRA DEVI
Administrative Officer-I
for Chief Engineer

INSAT-1 MASTER CONTROL FACILITY
Hassan-573 201, the 24th June 1986

No. MCF : ADM : EST : GN : 030.—Project Director, INSAT-1 Space Segment Project, Department of Space is pleased to appoint Shri F. Selvadoss as Scientist/Engineer-SB in the INSAT-1 Master Control Facility, Hassan with effect from the forenoon of 23rd June 1986.

V. K. NAIR
Administrative Officer
for Project Director

ISRO SATELLITE CENTRE
Bangalore, the 4th July, 1986

No. 020/1(15.1)/86-Estt. I.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the following personnel to the post of Scientist/Engineer 'SB' with effect from the dates shown against their names, in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space on a temporary basis and until further orders :

Sl. No.	Name	Designation	Date
1	2	3	4
S/Shri			
1.	G. Abdul Lateef	Sci/Engr SB'	01-4-1986
2.	S. Dayanand	-do-	-do-
3.	N. Sitaramamurthy	-do-	-do-
4.	Lakshmi Narain Gupta	-do-	-do-
5.	P. T. Thomas	-do-	-do-
6.	R. Ramesh	-do-	-do-
7.	M. N. Annapurna	-do-	-do-
8.	S. Sugramanya	-do-	-do-

H. S. RAMADAS
Administrative Officer-II

MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 17th July 1986

No. E(I)04191.—Shri S. N. Kalambi, Assistant Meteorologist, India Meteorological Department, has retired voluntarily from the Government service with effect from 30-6-1986 (Afternoon) under Rule FR-56(k).

S. K. SAHA
Director (Establishment)
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 19th June 1986

No. A.12025/1/84-ES.—On the recommendations of the UPSC, the President is pleased to appoint Shri V. P. Massey

to officiate as AWO in the scale of pay of Rs. 700-1300/- w.e.f 16-5-1986 (FN) until further orders :—

Shri V. P. Massey is posted in the office of the DAW, Calcutta Airport, Calcutta.

The 30th June 1986

No. A.12025/2/84-EI.—On the basis of recommendation of the UPSC the President is pleased to appoint Shri R. P. Sahi to officiate as Senior Airworthiness Officer in the scale of Rs. 1100-1600 with effect from 30-5-1986 (FN) until further order.

The 1st July 1986

No. 12025/7/83-EI.—On the recommendation of the UPSC, the President is pleased to appoint Shri Lalit Gupta as Scientific Officer (Group 'A' post) in the scale of Rs. 700-40-900-FB-40-1100-50-1300 with effect from the forenoon of 20th June, 1986 and until further orders.

Shri Gupta is posted in the Technical Centre, Civil Aviation Department opposite Safdarjung Airport, New Delhi.

M. BHATTACHARJEE
Dy. Director of Administration

FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES

Dehra Dun, the 17th July 1986

No. 16/352/79-Ests-I.—Consequent upon his attaining the age of superannuation Shri Krishan Lal, Research Officer, Wood Anatomy Branch, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun is retired from the service with effect from the afternoon of 30-4-86.

J. N. SAXENA
Registrar,
Forest Research Institute and Colleges

DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION
CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 14th July 1986

No. 10/86.—Shri R. S. Rajan lately posted as Assistant Director in West Regional Unit of D.G.I. (C.C.E.) at Bombay, on his transfer to the Office of the Chief Departmental representative for Delhi Benches of Customs, Excise & Gold (Contyol) Appellate Tribunal in the DGI (CCE), New Delhi vide Ministry of Finance, Department of Revenue's order No. 98/85 dated 9-7-85 issued vide letter F. No. 3-22012/42/85 assumed charge of the post of J.D.R. Group 'A' on 16-6-86 (FN).

No. 11/86.—Shri Inder Singh, lately posted as Assistant Collector (Customs) Madras, on his transfer to the office of the Chief Departmental Representative for Delhi Benches of Customs, Excise & Gold (Control) Appellate Tribunal in the DGICCE, New Delhi vide Ministry of Finance, Department of Revenue order No. 75/86 dated 14-5-86 issued vide letter F. No. A-32012/2/86-Ad II assumed charge of the post of J.D.R. Group 'A' on 10-6-1986 (FN).

H. M. SINGH
Director General of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110 066, the 18th July 1986

No. A-19012/1153/85-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Ashwini Kumar Ghosh, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/ Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 30-8-1985.

S. MAHADEVA AYYAR
Under Secy
Central Water Commission

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS
 (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
 M/s. Quality Seeds Company Private Limited*

Jullundur, the 11th July 1986

No. G/Stat/560/5345/864.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Quality Seeds Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
 M/s. ARA Consultants Private Limited*

Jallunder, the 11th July 1986

No. G/Stat/560/5295/1866.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the expiration of three months from the date hereof the name of M/s ARA Consultants Private Limited, Unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
 M/s. B. Columbia Textile Manufacturing Company Pvt. Ltd.*

Jallunder, the 11th July 1986

No. G/Stat/3278/1874.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. B. Columbia Textile Manufacturing Company Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
 M/s. Beenu Traders (Import & Export) Pvt. Ltd.*

Jallunder, the 11th July 1986

No. G/Stat/2542/1876.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Beenu Traders (Import & Export Pvt. Ltd. has this day been struck off the register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
 M/s. Standard Impex Private Limited*

Jallunder, the 11th July 1986

No. G/Stat/3760/1878.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Standard Impex Private Limited has this day been struck off the register and the said Company is dissolved.

SATYENDRA SINGH
 Registrar of Companies
 Pb., H.P. & Chandigarh

FORM ITNS

(1) Shri Virendra Singh Chordia,
S/o late Shri Shyam Sunderlalji Chordia,
R/o Agra for self and as attor. of his brothers
Shri Roshanlal Chordia,
Shri Kunj Bihari Chordia,
Shri Shailendra Kumar Chordia,
S/o's late Shri Shyam Sunderlalji Chordia,
(Transferor)

(2) Shri Prakash Choksi,
S/o Shri Sajjanlal Choksi,
R/o Udaipur and
Smt. Vanmala,
w/o Shri Prakash Choksi,
R/o Udaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th July 1986

Ref. No. Raj./IAC (Acq.) /2691.—Whereas, I,
SUDHIR CHAND,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House property and situated (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Udaipur on 8-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House property situated at Fatehpura, Udaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Udaipur vide registration No. 3165 dated 8-11-1986.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-7-1986
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) M/s Bhayana Builders Pvt. Ltd.,
G-4, Lakshmi Bhawan, 72, Nehru Place,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Ashok Mago,
Miss Anjali Mago,
Ayesh Mago and
Natasha Mago,
B/523, New Friends Colony,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1986

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/11-85/2.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10-A, situated at Prithviraj Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-VII, New Delhi in Nov., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

10-A, Prithvi Raj Road, New Delhi, 1200 sq. ft. flat ground floor and basement 800 sq. ft. distinguished as Flat No. 3.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII, Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Usha Kapoor,
A-19, New Friends Colony,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Usha Kapoor & others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1986

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/11-85/10.—Whereas, 1, A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Show room 'B' Vandhana Building, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-VII, New Delhi in Nov., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Show Room 'B' Vandhana Building, Tolstoy Marg, New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII, Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Krishna Devi Dalmia and others.
1, Tees January Marg,
New Delhi:

(Transferor)

(2) M/s. Bhartia Cutler Hammer Ltd. and others
38, Netaji Subhas Road,
Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1986

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/11-85/11.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

W-15, situated at G. K. II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-VII, New Delhi in November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot of land bearing No. W-15 (measuring 2000 sq. yds.) in Greater Kailash-II, New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range-VII, Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Manorama Ahuja,
B-50, N.D.S.E.-II,
New Delhi.

(Transferor)

(2) R. K. Apartments,
A-449, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1986

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/11-85/6.—Whereas, I,
A. K. MANCHANDA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1 lakh and bearing No.
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
E-556 situated at G.K.-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
I.T. Act, 1961 IAC Range-VII, New Delhi in Nov., 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

E-556, Greater Kailash-II, New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII, Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 11-7-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1986

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/11-85/4.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R/201 situated at Gr. Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-VII New Delhi in November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Shorindra Kumar Bose,
Press Enclave,
New Delhi.

(Transferee)

(2) M/s. United India Ins. Co. Ltd.,
591-504, Kailash Bldg.,
K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

259 Sq. yds., freehold plot designated R/201, Gr. Kailash-I, New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII, Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Satish Verma & others,
1-56A, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Masters Suhail Nasir and others,
K-116, Hauz Khas Enclave,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI**

New Delhi, the 11th July 1986

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/11-85/8.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 26^oB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 511 on 5th floor situated at 7, Tolstoy Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Ac., 1961 IAC Range-VII, New Delhi in Nov., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / ,

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 511 on 5th floor in 7, Tolstoy Marg, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

12—186 GI/86

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII, Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 11-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Khurana Builders,
E/21-A East of Kailash,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Mala Kumar,
42, Bungalow Road, Delhi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1986

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/11-85/1.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S-141, G. K. II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-VII, New Delhi in Nov., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat on second floor at S-141, G.K.-II, New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII, Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII
NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1986

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/11-85/7.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R-186 situated at G.K.-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-VII, New Delhi in Nov., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mr. Rupinder Singh,
5, Rajdoot Marg, Chanakyapuri,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Umesh Kumar Verma,
E-303, East of Kailash,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

E-303, East of Kailash, New Delhi. There is only ground floor and area 1165.1 Sq. ft.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII, Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Chaudhary Lachman Singh,
4/13, Shanti Niketan,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Gokak Patel Volkart Ltd.,
Forbes Bldg. Charanjit Rai Marg,
Bombay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII
NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1986

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/11-85/9.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing flat No. F, 8th floor situated at Vandhana Bldg. 11-Tolstoy Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-VII, New Delhi in Nov., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. F, 8th floor, Vandhana Bldg., 11-Tolstoy Marg, New Delhi. Carpet Area 815.24 sq. ft.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII, Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Bhayana Builders Pvt. Ltd.
G-4 Lakshmi Bhawan,
72, Nehru Place,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. P. J. Traders 'P' Ltd.
Chatterjee International Bldg.
Flat No. A,
13th floor, 33-A,
Jawaharlal Nehru Road,
Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI, ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII/37EE/11-85/3.—Whereas, I,
A. K. MANCHANDA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. 10-A situated at Prithvi Raj Road
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer at
I.T. Act, 1961 IAC Range-II, New Delhi on November, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

10A, Prithvi Raj Road, New Delhi, 2100 Sq. ft. flat of
ground floor, distinguished as flat No. 1.

(b) facilitating the concealment of any income or any
(II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road
Acquisition Range-II
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 11-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Bittoni N. C. Thorvaldsen
64, Golf Links,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI, ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1986.

Ref. No. IAC/Acq-VII/37EE/11-85/5.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1, Prithvi Raj Road situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I. T. Act, 1961 IAC Range-II New Delhi in November, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1. Prithviraj Road, New Delhi admeasuring 34514 sq. ft.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th July 1986

Ref. No. III-1325/Acq/86-87.—Whereas, I,
DURGA PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Thana 15, Khata No. 175, Plot No. 489 situated at Patna
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta in November, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Ram Briksh Yadav
- 2. Arvind Kumar
- 3. Jitendra Kumar
- 4. Shashi Bhushan Kumar
- 5. Kaushal Kishore Kumar
Vill-Bari Pahari,
PS Alamganj,
P.O. Bari Pahari,
Dist. Patna.

(Transferor)

- (2) M/s. Shri Kanth Nagar
Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd.
Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 1 bigha, 9 katha, 17 dhur, 5 dhurki situated at Patna and more fully described in deed No. I-18278 dated November 1985 and registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 14-7-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, BIHAR,
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th July 1986

Ref. No. III-1326/Acq/86-87.—Whereas, I,
DURGA PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 Survey Plot No. 143, Khata No. 7, Tauzi No. 5170, Thana
 No. 22 situated at Patna
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the Office of the Registering Officer at
 Calcutta in November, 1985
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by this issue of the notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

- (1) Shrimati Sumitra Devi
 R/o Dasratha P.S. Phulwari Sharif,
 Dist. Patna.
(Transferor)
- (2) M/s. Bisras Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd.
 Northern
 Shri Krishna Puri
 Patna.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 khatha situated at Patna and more fully
 described in deed No. I-15820 dated November, 1985 regis-
 tered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range
 Bihar, Patna.

Date : 14-7-1986
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Nityanand Singh
Vill. Jalalpur P.S. Danapur,
Dist. Patna.

(2) Bisras Sakhari Grah Nirman Samiti Ltd.,
Patna.
(Transferor)
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BIHAR
BOKING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th July 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. III-1327/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 37, Khata No. 22, Thana No. 22 situated at Vill. Jalalpur, P.S. Danapur, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 8-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land situated at Jalalpur P.S. Danapur, Dist. Patna and more fully described in deed No. I 15829 dated 8-11-1985 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
13—186GI/86

Date : 14-7-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th July 1986

Ref. No. III-1328/Acq/86-87.—Whereas, I
DURGA PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. 137, 143, Thana No. 22 situated at Vill. Jalalpur,
P.S. Danapur, Dist. Patna
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Calcutta in November, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from that transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

(1) Shri Shashi Shekhar Prasad Sinha,
Hon. Secretary
Welfare Co-operative Housing Society Ltd.,
Patna. (Transferor)
(2) Upendra Mondal
Bisrash Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd.
Patna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Jalalpur P.S. Danapur, Dist. Patna and
morefully described in deed No. I 15826 dated November,
1985 and registered with the Registrar of Assurances at
Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bihar, Patna.

Date 14-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Sumitra Devi of Dasratha
P.S. Phulwari Sharif,
Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Bisras Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd.,
Patna,
Sri Krishnapuri, Ptana-13.

(Transferee)

NOTICI. UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th July 1986

Ref. No. III-1329/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey Plot No. 143, Khata No. 7, Tayzi No. 5170, Thana No. 22 situated at Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Calcutta on November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 4 kataas, 2 dhoors, 8 dhurki situated at Patna more fully described in deed No. I-15821 dated November 1985 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-7-1986
Seal :

FORM ITNB

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shrimati Sumitra Devi
R/o Danapur, Chaudharan Sah Toli,
P.S. & P.O. Danapur,
Dist. Patna.

(Transferor)

(2) M/s. Janakpur Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd.
Patna.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th July 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. III-1330/Acq/86-87.—Whereas, J.
DURGA PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Tauzi 5406, Thana No. 21, Khata No. 437, Survey Plot
No. 1628 situated at Patna
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on November, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 54 decimals situated at Patna and more
fully described in deed No. I-16310 dated November, 1985
and registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar, Patna

"Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 14-7-1986
Seal :

FORM ITNS.

(1) Shri Dev Sharan Mahto
R/o Naya Tola Saguna,
P.S. & P.O. Danapur,
Dist. Patna.
(Transferor)

(2) M/s. Janakpuri Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd.
Patna.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th July 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 75 decimals situated at Patna and more-fully described in deed No. I-16311 dated November, 1985 and registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar, Patna

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-7-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th July 1986

Ref. No. III-1332/Acq/86-87.—Whereas, I

DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 83, Khata No. 188, Tauzi No. 5292, Thana No. 23 situated at Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on November, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Panchi Lal Rai
R/o Saguna Naya Tola,
P.S. Dapapur,
Dist. Patna.

(2) M/s. Barun Sahkari Grah Nirman Samiti, Ltd.,
Raja Bazar,
Patna-14.

(Transferor)

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 5 kattha situated at Patna and more fully described in deed No. I-15959 dated November, 1985 and registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar Patna

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-7-1986
Seal :

FORM ITNB**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE
BIHAR, BORING CANAL ROAD
PATNA**

Patna-800 001, the 15th July 1986

Ref. No. III-1333 /Acq/86-87.—Whereas, I,
DURGA PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Ward No. 2, Circle No. 6, Sheet No. 20, plot No. 107,
touzi No. 573, holding No. 417/306, 417/306(A), 417/306
(B), 417/306(C) situated at New Dak Bungalow Road,
Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer
at Patna on 9-11-85

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Shri Trilok Nath
S/o Late Sohan Lal,
R/o S-55, Punchsheel Park,
New Delhi-17.

(Transferor)

(2) Shri Om Prakash Chiraunia
S/o Late Sri Ram Prasad Chiraunia,
R/o 24, Bratala Street,
Calcutta-7.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect to any income arising from the transfer
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Land with building measuring 2 katha 9 dhur 3½ dhurki
situated at Moh. New Dak Bungalow Road, Patna and more-
fully described in deed No. 7587 dated 9-11-85 registered
with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 15-7-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BIHAR, BORING CANAL ROAD
PATNA

Patna-800 001, the 15th July 1986

Ref. No. III-1334/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Ward No. 2, Circle No. 6, Sheet No. 20, plot No. 107, touzi No. 573, holding No. 417/306, 417/306(A), 417/306(B), 417/306C situated at New Dak Bungalow Road, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patna on 9-11-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Dr. Dip Narayan Lal,
S/o Late Sri Sohan Lal,
R/o N-34A, Greater Kailash,
New Delhi-48.

(Transferor)

(2) Shri Krishna Kumar Chiraunia
S/o Late Ram Prasad Chiraunia,
R/o 133, Canning Street,
Calcutta-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land with building measuring 2 katha 9 dhur 3½ dhurki situated at New Dak Bungalow Road, Patna and more fully described in deed No. 7585 dated 9-11-85 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-7-86
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE
BIHAR, BORING CANAL ROAD
PATNA

Patna-800 001, the 15th July 1986

Ref. No. III/1335/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Ward No. 2, Circle No. 6, Sheet No. 20, plot No. 107, touzi No. 573, holding No. 417/307, 417/306(A), 417/306(B), 417/306C situated at New Dak Bungalow Road, Patna (and more fully described in the Schedule, annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 9-11-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
14—186GI/886

(1) Jogendra Pal Kohli
S/o Late Sohan Lal,
R/o Anachorna P. J. Ramchandra Road,
Bombay-490039.
(Transferor)

(2) Shri Binod Kumar Chiraunia
S/o Late Ram Prasad Chiraunia,
R/o 24, Bratala Street,
Calcutta-7.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building measuring 2 katha 9 dhur 4½ dhurki situated at New Dak Bungalow Road, Patna and more fully described in deed No. 7586 dated 9-11-85 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 15-7-86
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BIHAR, BORING CANAL ROAD
PATNA

Patna-800 001, the 15th July 1986

Ref. No. III-1336/Acq/86-87.—Whereas, I,
DURGA PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Ward No. 2, Circle No. 6, Sheet No. 20, plot No. 107, touzi No. 573, holding No. 417/306, 417/306(A), 417/306 417/306C situated at New Dak Bungalow Road, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 9-11-85
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Jagdish Narain Kohli
 S/o late Sohan Lal,
 R/o D-99, Anand Bihar,
 Delhi-92.

(Transferor)

(2) Shri Shyam Sunder Chiraunia
 S/o Late Ram Prasad Chiraunia,
 R/o 133, Canning Street,
 Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land with building measuring 2 katha 9 dhur 4½ dhurki situated at New Dak Bungalow Road, Patna and more fully described in deed No. 7588 dated 9-11-85 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-7-86
 Seal :

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Renox Commercial Ltd.,
8, Raja Santosh Road,
Calcutta-27.

(Transferor)

(2) Sri Piyush Bhartia and
Smt. Arti Bhartia,
5/1A, Hungerford St.,
Calcutta-17.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 16th July 1986

Ref. No. AC-39/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. 8 situated at Raja Santosh Road, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Competent Authority under registration No. 37EE/R-II/116/85-86 dated 29-11-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

229 sft. Flt No. 3B, on the 3rd floor, situated at 8, Raja Santosh Road, Calcutta-27. Registered by The Competent Authority being No. 37EE/R-II/116/85-86 dt. 29-11-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1986
Seal :

FORM DND

(1) Mr. Kali Pada Bose & Ors.

(Transferor)

(2) Lakshmi Promoters.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 16th July 1986.

Re. No. 2343V/Acq.R-III/Cal/86-87.—Whereas, I,
SHAIKH NAIMUDDIN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. NO. 9A & 9B situated at Belkola Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq.R-III, Calcutta on 5-12-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Land area 5 Cottahs 14 Chittaks 5 Sq. ft. together with two storeyed building at premises No. 9A & 9B, Belkola Rd., Calcutta. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/563 dated 5-12-85.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which I have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1986
Seal :

FORM ITNS-

(1) K. N. Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Sushila Patchpuria Foundation.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 16th July 1986

Ref. No. 2344/Acq.R-III Cal/86-87.—Whereas, I,
SHAIKH NAIMUDDIN,
being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 11A situated at Palm Avenue, Cal-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. R-III, Calcutta on 29-11-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2D on the 2nd floor measuring 1800 Sq. ft. at 11A, Palm Avenue, Cal-19. Registered before A.C., Acq. R-III, Cal., vide 37EE/Acq. R-III/526 dt. 29-11-85.

SHAIKH N AIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1986
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) K. N. Properties (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Sushila Fatehpuria Foundation.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 16th July 1986

Ref. No. 2345/Acq. R-III/Cal/86-87.—Whereas, I,
SHAIKH NAJMUDDIN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. 11A situated at Palm Avenue, Calcutta-1
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration
Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at I.A.C., Acq. R-III/Calcutta on 29-11-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1D on the 1st floor measuring 1800 Sq. ft. at
11A Palm Avenue, Cal-19. Registered before I.A.C., Acq.
R-III, Cal., vide 37EE/Acq. R-III/Cal 525 dt. 29-11-85.

SHAIKH NAJMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 16-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) K. N. Properties (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Annapurna Fatehpuria Charitable Trust.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-III
 CALCUTTA**

Calcutta, the 16th July 1986

Ref. No. 2346/Acq.R-III)/Cal/86-87.—Whereas, I,
SHAIKH NAIMUDDIN,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
 moveable property, having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 11A situated at Palm Avenue, Calcutta-1
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and registered under the Registration
 Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
 Officer
 at I.A.C., Acq. R-III/Calcutta on 29-11-85
 for an apparent consideration which is less than the
 fair market value of the aforesaid property and I have
 reason to believe that the fair market value of the
 property as aforesaid exceeds the apparent consideration
 therefor by more than fifteen per cent of such apparent
 consideration and that the consideration for such transfer
 as agreed to between the parties has not been truly stated in
 the said instrument of transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

THE SCHEDULE

Flat No. Block 'A' on the ground floor measuring 2000 Sq. ft. at 11A, Palm Avenue, Calcutta-19. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta vide 37EE/Acq.R-III/528 dt. 29-11-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957).

SHAIKH NAIMUDDIN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
 (1) of Section 269D of the said Act to the following persons,
 namely :—

Date : 16-7-1986

Seal :

FORM IENS

(1) Lansdown Properties Ltd.

(Transferor)

(2) Sri Bhawrilal Sanei,
Smt. Pushpa Sanei,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 16th July 1986

Ref. No. 2347/Acq.R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/6 situated at Sarat Bose Road, Cal. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. R-III, Cal. on 29-11-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Space No. 6 on 5th floor measuring 1757 Sq. ft. at 2/6, Sarat Bose Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/Cal/513 dated 29-11-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

Date : 16-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Lansdown Properties Ltd.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Premier (Eastern) Ing. Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

ACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA

Calcutta, the 16th July 1986

Ref. No. 2348/Acq. R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAJMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/6 situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C., Acq. R-III, Cal. on 29-11-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land : Space No. 8 on 3rd floor measuring 1458 Sq. ft. at 2/6, Sarat Bose Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Cal., vide 37EE/Acq. R-III/508 dt. 29-11-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAJMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

15—186GI/86

Date : 16-7-1986

Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Purushottam Lila Raja,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pallowi Resources Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA

Calcutta, the 16th July 1986

Ref. No. 2349/Acq. R-III/Cal/86-87.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 20, situated at Rajendra Nath Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R.A. Cal., on 16-11-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that half share of six storeyed brick built tenement land together with piece of land containing an area 7 Cottahs 9 Chittaks 41 Sq. ft. at 20, Rajendra Nath Mukherjee Road, Calcutta. Registered before S.R.A., Calcutta, vide Deed No. 1-16034 dt. 16-11-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1986
Seal:

FORM I.T.N.S.NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA

Calcutta, the 16th July 1986

Ref. No. 2350/Acq. R-III/Cal/86-87.—Whereas, I,
SHAikh NAIMUDDIN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

15/D situated at Hindustan Park, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of Registering Officer at
S.R.A., Cal., on 19-11-85

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

(1) Subhas Chandra Banerjee & Ors.

(Transferor)

(2) Nalini Mohan Chakravorty & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Dwelling house at 15/D, Hindustan Park, Calcutta. Regis-
tered before S.R.A., Calcutta, vide Deed No. 1-16106
dt. 20-11-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

SHAikh NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under Sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 16-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Lansdown Properties Ltd.

(Transferor)

(2) Venice Commercials Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA

Calcutta, the 16th July 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 2351/Acq. R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/6 situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C., Acq. R-III, Calcutta on 29-11-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Space No. 1 & 2 on 7th floor measuring 2087 Sq. ft. at 2/6, Sarat Bose Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Cal., vide 37EE/Acq. R-III/514 dt. 29-11-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Madgul Udyog.

(Transferor)

(2) Hindustan Lever Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA

Calcutta, the 16th July 1986

Ref. No. 2352/R-III/Cal/86-87.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 19, situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R.A., Cal, on 22-11-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 2B on 2nd floor measuring 1900 Sq. ft. at 19, Ballygunge Circular Road, Calcutta. Registered before S.R.A., Cal., vide Deed No. 19251 dt. 22-11-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1986
Seal :

(1) Purushottam Lira Raja.

(Transferor)

(2) Pallowi Resources Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

**ACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA**

Calcutta, the 16th July 1986

Ref. No. 2353/Acq. R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

20, situated at Rajendra Nath Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R.A., Cal., on 16-11-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

All that undivided half share of six storeyed brick built messuage tenement land together with the piece of land containing an area of 7 Cottahs 9 Chittaks & 41 Sq. ft. at 20, Rajendra Nath Mukherjee Road, Calcutta. Registered before S.R.A., Cal., vide Deed No. I-16036 dt. 16-11-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Kamala Bala Mustaphy & Ors.

(Transferor)

(2) Kanoi Brothers Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA.

Calcutta, the 16th July 1986

Ref. No. 2354/Acq. R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 10/2

situated at Ballygunge Place East, Cal., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R.A., Cal. on 23-11-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One storeyed incomplete building with land at 10/2, Ballygunge Place East, Calcutta, measuring an area of 8 Cottahs 14 Chittaks & 9 Sft. Registered before S.R.A., Cal., vide Deed No. 1 16275 dated 23-11-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
1986/86

Date : 16-7-86
Seal :

FORM ITNS—

(1) Om Prakash Krishan Kumar &
Arya Projects Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Larsen Services And Trading Co. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 16th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq. R-1/Cal./C.A. 97 & 102/85-87/SI. 1127.—Whereas, I,
SHAIKH NAIMUDDIN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 113, situated at Park Street, Calcutta-16. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with the 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. C.A. 97 & 102 dated 1-11-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

All that Unit No. 4 of the 10th floor containing a total covered area of 2314 Sft. more or less being part of portion of premises No. 113, Park Street, Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 97 & 102 dated 1-11-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54 Raifi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-86
Seal :

FORM ITNS

(1) Kanisk Udyog Viniyog Limited.
 (Transferor)
 (2) Polar Industries Limited.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA**

Calcutta, the 16th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq. R-I/Cal./C.A. 98 & 99/86-87/SI. 1228.—Whereas, I,

SHAIKH NAIMUDDIN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 113, situated at Park Street, Calcutta-16. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with the 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. C.A. 98 & 99 dated 8-11-85
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
 (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that Unit No. 'C' admeasuring 3500 Sqft. more or less or the 8th floor in the building commonly called as 'Poddar Point' at the portion on the Southern side of premises No. 113, Park Street, Calcutta-16, alongwith Car Parking space. Registered before the Competent Authority I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C. A. 98 & 99 dated 8-11-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I
 54 Raifi Ahmed Kidwai Road
 Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—186GI/86

Date : 16-7-86
 Seal :

FORM ITNS.—

(1) Vaishali Finance Corporation.

(Transferor)

(2) Polar Industries Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 16th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq. R-I/Cal./C.A. 100 / 101/85-87/SI. 1129.—Whereas, I,

SHAIKH NAIMUDDIN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 113, situated at Park Street, Calcutta-16. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with the 48D(1) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. C.A. 100 & 101 dated 8-11-85
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

All that Unit No. 'C' admeasuring 3,500 Sft. more or less on the 8th floor in the Building commonly called as 'Poddar Point' at the corner on the Southern side of premises No. 113, Park Street, Calcutta-16 alongwith Car Parking Space Registered before the Competent Authority, I.A.C., Calcutta vide Serial No. C.A. 100 & 101 dated 8-11-85.

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1961 (26 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range,
 54 Raif Ahmed Khan Road,
 Calcutta-16

Date : 16-7-86
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the aforesaid persons, namely :—

FORM ITNS

(1) J. J. Exporters Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) ALM (Real Estates) Private Limited.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 16th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq. R-I/Cal. C.A. 104 & 105/86-87/SL. 1230.—Whereas, I,

SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 113, situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Comptroller Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. C.A. 104 & 105 dated 8-11-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that Office Space on the 8th floor at premise No. 113, Park Street, Calcutta-16, Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 104 and C.A. 105 dated 8-11-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road
 Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-86
 Seal :

FORM ITNS.—

(1) 1. Asgar Ali Gangjee,
2. Hasan Ali Gangjee,
3. Sultan Ali Gangjee, &

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(b) Choicest Construction Pvt. Ltd.
(2) Sumitra Devi Gupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 16th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq. R-I/Cal. C.A. 108/86-87/SI. 1231.—
Whereas, I,
SHAIKH NAIMUDDIN,
being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 216, situated at Acharya Jagdish Ch. Bose Road, Calcutta-17,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. C.A. 108 dated 21-11-85
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

All that undivided proportionate share of land together with a flat measuring 1490 Sft. (approx) with a right to use the adjoining open terrace on 3rd floor being unit No. 'B' and a car parking space on the ground floor of 'Sree Ganesh Business Centre' under construction at 216 Acharya J. C. Bose Road, Calcutta-17. Registered before the Competent Authority I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 108 dated 21-11-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-86
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Asgar Ali Gangjee,
2. Hasan Ali Gangjee,
3. Sultan Ali Gangjee &
4. Choicest Construction Pvt. Ltd.

(2) Shri Chandrakant Tibrcwala.

(Transferor)
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 16th July 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All that undivided proportionate share of land together with a flat measuring 1840 Sft. (approx.) on the 3rd floor being Unit No. 'D' of 'Sree Ganesh Business Centre' under Construction at 216 Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Calcutta-17. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. CA-109 dated 21-11-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAJMUDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Multicon Builders Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Jayshree Mitra & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 16th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq.R-I/Cal. CA-111 & 121/86-87/SI. 1233.— Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

28/3A situated at Convent Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under Registration No. CA-111 and 121 dated 22-11-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office space on the 2nd floor measuring 2364 sq. ft. and 186 sq. ft. open terrace at 28/3A, Convent Road, Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acq. Range-I, Calcutta vide Sl. No. CA-111 & CA-121 dated 22-11-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Janapriya Finance & Industrial Investment
(India) Ltd.
(Transferor)

(2) Smt. Usha Shome.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 16th July 1986

Ref. No. TR-218/86-87/SI.1234/I.A.C.[Acq.R-I]Cal.—
Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
45, situated at Shakespeare Sarani, Calcutta
(as more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration
Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at Calcutta under registration No.
I-16490/85 dated Nov. 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer i
and/or

THE SCHEDULE

All that partly one and partly two storeyed brick built
building containing an area of 15 Cottahs 1 chittack 35 sft.
at 45 Shakespeare Sarani, Calcutta. Registered before the
R.A., S.R.A., Calcutta vide Deed No. I-16490/85 dated Nov.
1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any
other assets which may be liable to tax
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Vith-tax Act
1957 (27 of 1957).

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 16-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Shree Bajrang Properties Pvt. Ltd.,
3A, New Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Greenwich Holdings Pvt. Ltd.,
2, Lal Bazar Street,
Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I.
CALCUTTA-16Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Calcutta-16, the 16th July 1986

Ref. No. AR-43/R-II/Cal/86-87.—

Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 3A situated at New Road, Alipore, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration
Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at Calcutta under registration No.
I-15905 dated Nov 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons;
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XVA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 or 1957);

Area : 4K. 9Ch. 37Sft. situated at 3A, New Road, Cal-
cutta. More particularly described in Deed No. I-15905.
Registered by R.A. Calcutta in November, 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiated proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 16-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Vijay Girdharilal Kanodia,

(Transferor)

(2) M/s. Alang Ship Brakers Pvt. Ltd.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay-38, the 14th July 1986

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-I/37EE/9299/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 63 on 6th floor, Mehr-Naz, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 169AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 63 on 6th floor, Mehr-Naz, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/8775/85-86 on 23-12-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
17—186GI/86

Date : 14-7-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Jayantilal J. Jhaveri,
Smt. Saroj Jayantilal Jhaveri.

(Transferor)

(2) Shri Ramji Lal Johar,
Smt. Neerja R. Johar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY**

Bombay-38, the 14th July 1986

Ref. No. AR.I/37EE/9159/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 17, 6th floor, Mangalam Apartments, 99/A, Walkeshwar Road, Bombay-6, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 169AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 17, 6th floor, Mangalam Apartments, 99/A, Walkeshwar Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR.I/37EE/8640/85-86 on 13-12-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-7-1986
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Mr. Vashdev Jamnadas Daryanani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kamal K. Hemnani and
Mrs. Pooja K. Hemnani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 14th July 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 28 on 4th floor, C.C.I. Chamber, Dinshaw Wachha Road, Bombay-20.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR.I/37EE/8278/85-86 dt. 15-11-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-7-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay-38, the 14th July 1986

Ref. No. A.R.I./37EE/8975 /85-86.—Whereas I,
A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 16 on the 1st floor, CCI Chambers, Dinshaw Wachha Road, Bombay-400020, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mr. Ramchand B. Aggarwal,
 Mrs. Shantidevi Aggarwal,
 Mr. Vijay Aggarwal and
 Mr. Rakesh Aggarwal.

(Transferor)

(2) Mr. Vashdev J. Daryanani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 16 on the 1st floor, CCI Chambers, Dinshaw Wachha Road, Bombay-400020.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. A.R.I./37EE/8460/85-86 dt. 26-11-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I,
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-7-1986
 Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Smt. Sudha Narendra Temhane,

(Transferor)

(2) Mr. Dilip Vadilal Sanghavi and
Smt. Bharati Dilip Sanghavi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY**

Bombay-38, the 15th July 1986

Ref. No. AR.I/37EE/8631 /85-86.—Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 6, 1st floor, Deepmala Co-operative Housing Society Ltd., 266, Sion Cemetery Lane, Sion (W), Bombay-22, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 6, 1st floor, Deepmala Co-operative Housing Society Ltd., 266, Sion Cemetery Lane, Sion (W), Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/8129/85-86 on 5-11-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-7-1986
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY-38

Bombay-38, the 15th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8727/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Indl. Unit No. 122, 1st floor, Ashish Indl. Estate, Gokhale Road (S), Daar, Bombay-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. K. G. Makhija,
Shri S. G. Makhija,
Smt. J. B. Makhija,
Shri M. B. Makhija,
Shri B. R. Makhija, HUF
Shri S. T. Chitnis, HUF.

(2) M/s Brillanto Textile Mills.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Indl. Unit No. 122, 1st floor, Ashish Industrial Estate, Gokhale Road (S), Dadar, Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8218/85-86, on 11-11-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-7-1986

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Aruna Anant Pilgaonkar, (Transferor)
 (2) Mr. Jayanth Sheena Nairi, (Transferee)
 (3) Transferor, (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY-38

Bombay-38, the 15th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8752/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. B/2, 2nd floor, Bldg. No. 1, Prathamesh
CHSL, Off Veer Savarkar Road, Prabhadevi Bombay-25
(and more fully described in the Scheduled annexure hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent
Authority at

Bombay on 13-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. B/2, 2nd floor, Building No. 1, Prathamesh Co-
op. Housing Society Ltd., 1216(1) Off Veer Savarkar Marg,
Prabhadevi, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8243/85-86, on
13-11-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 15-7-1986
Seal

FORM ITNS

(1) Kishore Tarachand Butani,
Ramesh T. Butani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohindersingh L. Khanna,
Smt. Harbanskaur M. Khanna.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY-38

Bombay-38, the 15th July 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. AR-I/37EE/8759/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 16, Owner's Colony CIISL, Sion-Matunga Estate (E) Koliwada, Bombay-37, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 16, Plot No. 290/B, Owner's Colony Co-op. Hsg., Soc. Ltd., Sion-Matunga Estate (E) Koliwada, Bombay-400 037.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8250/85-86, on 13-11-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 15-7-1986
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Hassi M. Ramchandani and
Charan M. Ramchandani. (Transferor)
(2) Gautam Patel. (Transferee)
(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY-38**

Bombay-38, the 15th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8778/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 44, 4th floor, Maker Tower H, Backbay Reclamation, Cuffe Parade, Bombay-5, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-11-1985,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
18—186GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 44 on 4th floor, Maker Tower H, Backbay Reclamation Cuffe Parade, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37FF/8267/85-86, on 14-11-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 15-7-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
BOMBAY-38

Bombay-38, the 15th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8779/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 6-B, 6th floor, Jiwani Bldg., L.D. Ruparel Marg, Bombay-400 006, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Rasiklal Jayantilal Wadia
Mrs. Hasumati Rasiklal Wadia.
(Transferor)
- (2) Mrs. Ila Chetan Dave & Mr. Chetan N. Dave.
(Transferee)
- (3) Transferees.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6-B, 6th floor in the building Jiwani, L.D. Ruparel Marg, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8268/85-86, on 16-11-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 15-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri G. P. Tawde.

(Transferor)

(2) Shri Rasmikant P. Amin.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY-38

Bombay-38, the 15th July 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter.

Ref. No. AR-I/37EE/8870/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Flat No. 27, 7th floor, 48, Venus Apartment, Worli Seaface—South, Bombay-18, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-11-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 27, 7th floor, 48, Venus Apartments, Worli Seaface South Bombay-400 018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8356/85-86, on 20-11-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-7-1986

Seal :

FORM ITNS-

(1) Laxmanshila Co-op. Housing Soc. Ltd. (Transferor)
 (2) Shri Girishchandra Shrivastav. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-I
 BOMBAY

Bombay-38, the 16th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8891/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,09,000/- and bearing No. Flat No. 1A, 1st floor, 70, Pochkanwala Road, Worli, Bombay-25, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20/11/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

Flat No. 1A, 1st floor, 70, Pochkanwala Road, Worli, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority at Bombay, under No. AR-I/37EE/8376/85-86, on 20/11/85.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

NISAR AHMED
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18/7/1986
 Seal :

FORM ITNS-

(1) Laxmanshila Co-op. Soc. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Kiramchandra Srivastav.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY**

Bombay-38, the 15th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8892/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 1-B, 1st floor, 70, Pochkhanwala Road, Worli
 Bombay-25.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the agreement is registered under
 section 269AB of the Said Act in the Office of the Com-
 petent Authority at Bombay on

20/11/1985.

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
 of 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the publi-
 cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in the Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

Flat No. 1-B, 1st floor, 70, Pochkhanwala Road, Worli
 Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8377/85-86, on
 20/11/1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 15-7-1986
 Seal :

FORM ITN-

(1) Shri Gope M Chandiramani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Sushila M Jani and
Smt. Jayshree D. Jani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay-38, the 15th July 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

Ref. No. AR-I/37EE/8971/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.
Flat No. 3, 1st floor, Bldg. No. 16, Navjivan Building,
Lamington Road, Bombay-8.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Said Act in the Office of the Com-
petent Authority at Bombay on
26-11-1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 3, 1st floor, Bldg. No. 16, Navjivan Building,
Lamington Road, Bombay-8.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8455/85-86, on
26/11/1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 15-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Neelam Estates.

(Transferor)

(2) M/s Abdul Latif Family Trust.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay-38, the 16th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9015/85-86.—Whereas, I,

NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit No. 104, 1st floor, Service Indl. Estate, A Wing, Hindi Cycle Road, adj. Gopal Nagar Zopadpatti, Worli, Bombay. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29/11/1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 104, 1st floor, Service Indl. Estate, A Wing, Hindi Cycle Road, adj. Gopal Nagar Zopadpatti, Worli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8500/85-86, on 29/11/1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15/7/1986
Seal :

FORM HNS

(1) Standard Rolling Shutters and
Engineering Works (P) Ltd.

(Transferor)

(2) M/s Unique Constructions.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay-38, the 9th July 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given there.

Ref. No. ARIV/37EE/23478/85-86.—Whereas, I,

NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece of land at Akruli Road, bearing S. No. 68, H. No. 3 (A) and (B) C.T.S. No. 139, Akruli Road, Kandivali, Taluka Borivali.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/11/1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Piece of land at Akruli Road, bearing S. No. 68, H. No. 3 (A) and (B) C.T.S. No. 139, Akruli Road, Kandivali, Taluka Borivali.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/23478/85-86 on 1/11/1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9/7/1986
Seal ;

FORM ITNS-

(1) Smt. S. A. Mhatre & Ors.

(Transferor)

(2) M/s J. K. Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 9th July 1986

Ref. No. ARIV/37EE/23375/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece of land bearing Revenue Survey No. 108, H. No. 7, City Survey No. 1192 and Revenue Survey No. 107, H. No. 2B City Survey No. 1195 in revenue Village of Eksar, Taluka Borivali.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on

1/11/1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Piece of land bearing Revenue Survey No. 108, H. No. 7, City Survey No. 1192 and Revenue Survey No. 107, H. No. 2B City Survey No. 1195 in revenue Village of Eksar, Taluka Borivali.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/23375/85-86 on 1/11/1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—186GI/86

Date : 9/7/1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Alankar Construction Co.

(Transferor)

(2) M/s. Mahabali Metal Industries.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 9th July 1986

Ref. No. ARIV/37EE/23736/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 69/C bearing S. No. 19 & 16 (pt) at Hanuman Nagar, Akruli Village, Kandivli (E), Bombay-101, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Gala No. 69/C bearing S. No. 19 & 16 (pt) at Hanuman Nagar, Akruli Village, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/23736/85-86 on 1-11-85.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 9-7-1986
Seal :

FORM ITNS-

(1) M/s. Sadavijay Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Sahakar Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 9th July 1986

Ref. No. ARIV/37EE/24515/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. piece of land bearing S. No. 62, H. No. 2, C.T.S. No. 1359 & S. No. 6 H. No. 14A & 14B C.T.S. No. 1380 Survey No. 63, Hissa No. 1, CTS No. 1382, and survey No. 63 Hissa No. 8, CTS No. 1379 at Dahisan Bombay, situated at Bombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Piece of land bearing S. No. 62, H. No. 2, C.T.S. No. 1359 and S. No. 5, Hissa No. 14A and 14B C.T.S. No. 1380 S. No. 63, H. No. 1, CTS No. 1382 & S. No. 63, H. No. 8, CTS No. 1379 at Dahisan Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/24515/85-86 on 1-11-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-7-1986
Seal :

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Hemi. S. Patel
Miss U. K. Warde & Ors.
M/s. Eastern Paper Tubb Factory. (Transferor)
(2) M/s. Metro Metal Printers Pvt. Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 9th July 1986

Ref. No. ARIV/37EE/23229/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land with bldg at Ashok Nagar S. No. 5, H. No. 1, S.
No. 6 (pt) S. No. 20A Plot No. F/2 Village Wadhwan,
Kandivli (E)

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office
of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-85

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Land with bldg. at Ashok Nagar S. No. 5 H. No. 1, S. No.
6(pt) S. No 20A Plot F/2 Village Wadhwan, Kandivli (E),
Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/23229/85-86 on
1-11-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 9-7-1986
Seal :

FORM ITNB—

(1) M/s. Rose Builders.

Transferor(s)

(2) M/s. Sahakar Associates.

Transferee(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 9th July 1986

Ref. No. ARIV/37EE/23817/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land bearing C. S. No. 889 H. No. 6, Old No. 149, New S. No. 152 Eksar Village, Borivli, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereunto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Piece of land bearing C. S. No. 889, old C. S. No. 149, New S. No. 152, H. No. 6, at Village Eksar Taluka Borivli.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/23817/85-86 on 1-11-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 369C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-7-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sitaram H. Halvai & Ors.

(Transferor)

(2) Smt. P. J. Hedge.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 9th July 1986

Ref. No. ARIV/37E/23663/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop on plot No. 5-B (pt) final plot No. 18 (T.P.S.I) Chandavarkar Lane, Borivli (W), Bombay-92.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop on plot No. 5-B (pt) final plot No. 18 (T.P.S.I), Chandavarkar Lane, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37E/23663/85-86 on 1-11-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Date : 9-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Ibrahimhai H. Bapubhai Nadiawala & Ors.
(Transferor)
(2) Udharam Aildas Thadani & Ors.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 14th July 1986

Ref. No. AR. III/37G/2761.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Pieces or parcels of land or ground messuages, hereditaments and premises together with structure chawl, shops, Theatre thereon Vivekanand Rd., Malad, Bombay-64. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on 20-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—
(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All those pieces or parcels of land or ground, messages hereditaments and premises together with the structure chawl, shop, Theatre thereon, at Swami Vivekanand Rd., S. Nos. 368, H. No. 4(p) and H No. 5, CTS No. 686, 686 (1 to 5), 687, and 688 (1 to 20), Malad, Bombay.

The agreement has been registered with Sub-Registering Officer at Sr. No. S-3182/81 dated 20-11-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date : 14-7-1986
Seal :

